दैनिक

क्यूँ न लिखूँ सच

प्रातः कालीन

मुरादाबाद से प्रकाशित

बर्षः- 04
अंकः- 326
मुरादाबाद
21 March 2025
(Friday)
पृष्ठः- 08
मूल्यः- 3.00 रूपया

भारत सरकार से रजिस्टर्ड
RNI No.UPBIL/2021/83001

राष्ट्रीय हिंदी अंग्रेजी समाचार पत्र

प्रसारित क्षेत्र-बरेली, पीलीभीत, बदायूं, कासगंज, एटा,बहराइच, संभल, श्रावस्ती, अलीगढ और उत्तराखंड

सीएम योगी बोले- विदेशी आक्रांता के महिमामंडन का मतलब देशद्रोह, आज के भारत को ऐसे देशद्रोही स्वीकार नहीं

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि विदेशी आक्रांताओं को गुणगान करने वाले देशद्रोही हैं। ऐसे लोगों को आज का भारत स्वीकार नहीं कर सकता है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को बहराइच में विदेशी आक्रांताओं का महिमामंडन करने वालों को देशद्रोही करार दिया। उन्होंने कहा कि आज पूरी दुनिया भारत की सनातन संस्कृति और परंपरा का गुणगान कर रही है तब भारत के महापुरुषों के प्रति श्रद्धा और

सम्मान का भाव हर नागरिक का दायित्व होना चाहिए। इन स्थितियों में किसी भी आक्रांता का महिमामंडन नहीं करना चाहिए। आक्रांता के महिमामंडन का मतलब देशद्रोह की नींव को पुख्ता करना है और स्वतंत्र भारत ऐसे किसी देशद्रोही को स्वीकार नहीं कर सकता है।उन्होंने कहा कि जो लोग भारत के महापुरुषों को अपमानित करते हों और उन आक्रांताओं का महिमा मंडन करते हों जिन्होंने भारत की सनातन संस्कृति को रौंदने का कार्य किया था, बेटियों की इज्जत पर हाथ डालने और हमारी आस्था पर प्रहार किया था, उसे आज का यह नया भारत स्वीकार करने को कतई तैयार नहीं है। मुख्यमंत्री बहराइच में तहसील मिहींपुरवा (मोतीपुर) के मुख्य भवन के साथ ही आवासीय भवनों का उद्घाटन करने पहुंचे थे। तहसील का मुख्य और आवासीय भवन 845.19 लाख की लागत से 2,138 वर्ग मीटर में निर्मित किया गया है।पिछली सरकारें घोषणा करती थीं, काम नहीं मुख्यमंत्री ने कहा कि बहराइच भारत की ऋषि परंपरा से जुड़ा हुआ जनपद है। कहते हैं महर्षि बालार्क का एक विश्व प्रसिद्ध आश्रम इसी बहराइच में था। बहराइच की पहचान और नाम उन्हीं बालार्क ऋषि के नाम पर था। यह बहराइच वही ऐतिहासिक भूमि है जहां पर एक विदेशी आक्रांता को धूल धूषरित करते हुए महाराजा सुहेलदेव ने भारत की विजय पताका को फहराया था। महाराज सुहेलदेव ने विदेशी आक्रांताओं के खिलाफ जिस शौर्य और पराक्रम का परिचय दिया उसी की परिणिति थी कि 150 वर्षो तक कोई विदेशी आक्रांता भारत पर हमला करने की दुस्साहस नहीं कर पाया था। इस पावन धरा बहराइच को उसकी पहचान से वंचित करने का प्रयास हुआ था। पिछली सरकारें घोषणा करती थीं, लेकिन कार्य नहीं हो पाते थे। मिहींपुरवा तहसील में आज तक भवन नहीं था, जबकि एक सामान्य नागरिक के लिए सबसे ज्यादा कार्य तहसील से ही पड़ता है। भूमि संबंधी रिकॉर्ड हो, पैमाइश हो, वरासत की कार्यवाही हो, नामांतरण हो, बंटवारे का कार्य हो या फिर लैंड उसे से जुड़ी हुई इन सभी मामलों के निस्तारण का केंद्र तो तहसील है। जब तहसील का अपना भवन ही नहीं होगा तो एक सामान्य राजस्व से जुड़े मामलों में क्या न्याय मिल पाएगा। 33 लाख लंबित मामलों का किया निपटारा- मुख्यमंत्री ने कहा कि 2017 में भारतीय जनता पार्टी की डबल इंजन की सरकार प्रदेश में आई उस समय 33 लाख से अधिक ऐसे राजस्व वाद थे जो लंबित पड़े थे। यह मामले लंबित हैं तो गांव-गांव में मारपीट, बलवा होना, दबंग के द्वारा गरीब की जमीन को जबरन हथिया लेना आम बात रही होगी और यही कारण था उत्तर प्रदेश में पिछली सरकारों के निकम्मेपन के कारण यह केंद्र बेमानी और भ्रष्टाचार का अड्डा बन गए थे। एक सामान्य नागरिक न्याय की उम्मीद नहीं कर सकता था। गरीब की आवाज को दबाया जाता था। हम लोगों ने समय सीमा तय की कि अगर वाद लंबित है तो जवाबदेही तय होगी। इसी का परिणाम है कि हम लोगों ने 33 लाख मामलों का निस्तारण करके गरीब को न्याय दिलाने का काम किया है। सरकार की कार्रवाई का परिणाम है कि एंटी भू माफिया टास्क फोर्स के माध्यम से 64 हजार एकड़ लैंड को अवैध कब्जे से मुक्त करने का कार्य किया गया है। आज प्रदेश में निवेश आ रहा है। डबल इंजन सरकार ने तय किया है कि हर गांव में ग्राम सचिवालय होगा। ग्राम सचिवालय में ऑप्टिकल फाइबर या वाईफाई की सुविधा देंगे और गांव में ही गांव के लोगों को बैंक की सुविधा मिलेगी। गांव में ही जन्म प्रमाण पत्र, मृत्यु प्रमाण पत्र, आय प्रमाण पत्र, जाति प्रमाण पत्र और निवास प्रमाण पत्र सभी गांव में ही उपलब्ध हो इसके लिए ज्यादातर ग्राम पंचायतों ने इस कार्य को आगे बढ़ाना प्रारंभ किया है।हर गरीब को समय से मिलेगा न्याय- सीएम योगी ने कहा कि अब किसी गरीब का हक नहीं मारा जा सकता, इसके लिए सेटेलाइट के माध्यम से हम ऐसी व्यवस्था करेंगे कि 1 इंच भी जमीन किसी गरीब की मारी नहीं जाएगी। उन्होंने कहा कि यहां तहसील पर जिन अधिकारियों की तैनाती होगी वह बहराइच में रहें ऐसा नहीं हो सकता। उनके लिए आवास भी यही बनेगा। वह यहीं पर कैंपस में रहकर समस्या का समाधान करेंगे। हमने पहले ही कह रखा है कि जहां तहसील है, ब्लॉक है, थाना है, सर्किल है, वहां के अधिकारी वहीं पर रहेंगे, रात्रि निवास भी वहीं पर करें, क्योंकि बहानेबाजी नहीं चल सकती। जब उन्हें यह आवासीय सुविधा मिलेगी तो लोगों को समय से न्याय मिल सकेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि मैं पिछले दिनों भी बहराइच आया था जब यहां पर भेड़िये के आतंक से लोग परेशान थे। उसने काफी बच्चों को अपना शिकार बनाया था लेकिन अंततः वह पकड़ा गया। हम लोगों ने पहले ही मानव वन्य जीव संघर्ष को आपदा की श्रेणी में रख करके उस परिवार को 5 लाख मुआवजा देने की व्यवस्था की। मुख्यमंत्री बोले कि अनंत संभावनाओं को समेटे यह जनपद बहराइच घाघरा और सरयू नदी के तट पर स्थित है। खेती करतनिया के रूप में यहां पर वन्य जीव अभ्यारण भी है और अब तो बहराइच में मेडिकल कॉलेज भी बन गया है और महाराजा सुहेलदेव का विजय स्मारक भी बनकर तैयार हो गया है। यह वही जनपद है जो पहले अव्यवस्था और अराजकता का शिकार हुआ करता था। आज बहराइच में कोई अव्यवस्था नहीं फैला सकता। भारत के महापुरुषों के प्रति श्रद्धा और सम्मान का भाव हर नागरिक का दायित्व- महाकुंभ की चर्चा करते हुए सीएम योगी ने कहा कि महाकुंभ के भव्य आयोजन के बाद पूरी दुनिया उत्तर प्रदेश की ओर कौतूहल भरी निगाहों से देख रही है। अभी 2 दिन पहले संसद में प्रधानमंत्री ने उत्तर प्रदेश वासियों और महाकुम्भ के आयोजन की प्रशंसा की है। मानवता का इतना बड़ा आयोजन दुनिया में कहीं नहीं हुआ है, कोई नहीं कर सकता। मां गंगा, मां यमुना, मा सरस्वती के त्रिवेणी संगम में 66 करोड़ से अधिक श्रद्धालु जनों का आगमन, भारत की महान सनातन संस्कृति की युग गाथा को अनंत काल तक गाने के लिए आने वाली पीढ़ी को विरासत के रूप में दिया है। एक तरफ, एक भारत श्रेष्ठ भारत की परिकल्पना साकार हो रही है, पूरा देश एकजुट होकर कार्य कर रहा है, जब दुनिया भारत की सनातन संस्कृति और भारत की परंपरा का गुणगान कर रही है तब भारत के महापुरुषों के प्रति श्रद्धा और सम्मान का भाव हर नागरिक का दायित्व होना चाहिए। बहराइच का बाईपास भी किया स्वीकृत- मुख्यमंत्री ने कहा कि विकास की यह गाथा तभी आगे बढ़ सकती है जब हम अपनी विरासत को पूरे गौरव के साथ आगे बढ़ाने का कार्य करें। हमारी गौरव गाथा विरासत के साथ जुड़ती है और विरासत विकास के साथ जुड़ती है। विरासत और विकास की एक अद्भुत गाथा का ही नया रूप है बहराइच, जहां मेडिकल कॉलेज भी बन गया है और साथ-साथ बहराइच का बाईपास भी हमने स्वीकृत कर दिया है। नेपाल से कनेक्टिविटी को आसान कर दिया है और यहां पर जो करतनिया घाट है इसको इको टूरिज्म के हब के रूप में विकसित करने जा रहे हैं। कहा कि बहराइच जनपद में हमारी सरकार ने 2,10000 से अधिक गरीबों को एक-एक आवास उपलब्ध करवाया है। इसके साथ ही 4 लाख 12 हजार से अधिक गरीबों के घर में शौचालय बनाने का काम भी किया है। 1041 गांव में सामुदायिक शौचालय का निर्माण भी किया है। बहराइच में 66,200 से अधिक निराश्रित महिलाओं को ?1,29000 से अधिक वृद्धजनों को और 20,000 से अधिक दिव्यांग जनों को ?12000 सालाना पेंशन की सुविधा का लाभ प्रदान किया जा रहा है। 52800 से अधिक बेटियों को मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना का लाभ प्रदान किया जा रहा है। मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के तहत अब तक हम लोगों ने हजारों बेटियों की शादी बहराइच में की है। 1 अप्रैल से हम इसके तहत 51,000 की राशि को बढ़ाकर एक लाख करने जा रहे हैं।

संक्षिप्त समाचार

बीजापुर और कांकेर में दो अलग-अलग मुठभेड़, 24 नक्सली ढेर; ऑटोमेटिक हथियार व गोला-बारूद बरामद

छत्तीसगढ़ के बीजापुर और कांकेर जिले में नक्सलियों और सुरक्षाबलों के बीच मुठभेड़ हो गई है। अलग-अलग मुठभेड़ में 24 नक्सली मारे गए। वहीं, एक जवान बलिदान हो गया है।बीजापुर जिले के गंगालुर थाना क्षेत्र में गुरुवार तड़के पुलिस और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ हुई है। बीजापुर पुलिस ने जानकारी देते हुए बताया कि बीजापुर जिला रिजर्व गार्ड (डीआरजी) के एक जवान का बलिदान हो गया है। बीजापुर में नक्सलियों के साथ हुई मुठभेड़ में 20 नक्सली मारे गए हैं। वहीं, दूसरी ओर कांकेर में जवानों और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ हुई, जिसमें चार नक्सली मारे गए। सभी 24 नक्सलियों के शव बरामद कर लिए गए हैं। हथियार और गोला-बारूद बरामद हुए हैं। बीजापुर और दंतेवाड़ा की सीमा के पास थाना गंगालुर क्षेत्रान्तर्गत माओवादी विरोधी अभियान पर संयुक्त टीम निकली थी। अभियान के दौरान आज सुबह 7 बजे से माओवादियों और सुरक्षाबलों के बीच फायरिंग शुरू हो गई।मुठभेड़ में 20 नक्सली ढेर- मुठभेड़ स्थल से भारी मात्रा में हथियार और गोला बारूद के साथ 20 नक्सलियों के शव बरामद हुए हैं। मुताबिक, बीजापुर और दंतेवाड़ा की सरहद के जंगली क्षेत्र गंगालुर थाना इलाके के तोड़का एंड्री के जंगल में सुरक्षाबलों की संयुक्त पार्टी के साथ नक्सलियों की मुठभेड़ हुई है।

वित्त आयोग के सामने खुलकर आया बिहार का दर्द- केंद्र ने अपनी जेब भरी, राज्य को नहीं दिया हक

डबल इंजन सरकार दौड़ तो रही है साथ, लेकिन ईंधन का उचित हिस्सा दूसरे इंजन को नहीं मिल रहा है। सोलहवें वित्त आयोग के सामने बिहार का यह संकट खुलकर सामने आया। क्या अपील की आखिर बिहार की नीतीश कुमार सरकार ने?सोलहवें वित्त आयोग के साथ बिहार सरकार की बैठक ने भी राज्य के विपक्षी दलों को बड़ा मुद्दा दे दिया था। यह मुद्दा पुराना है, लेकिन विपक्ष भी भूले बैठा था। राज्य की नीतीश कुमार सरकार ने वित्त आयोग से जो अपील की है, वह साफ-साफ बता रही है कि डबल इंजन सरकार के दोनों इंजन के बीच ईंधन (धन) का बंटवार सही तरीके से नहीं हो रहा है। राज्य सरकार ने साफ-साफ अपील की है कि केंद्र सरकार सेस और सरचार्ज के जरिए अपनी कमाई बढ़ा रही है, लेकिन उस राजस्व का हिस्सा राज्य को नहीं मिल रहा है। इन दोनों को विभाज्य पूल में शामिल करने की मांग के साथ सरकार ने केंद्रीय करों की शुद्ध आया के न्यूनतम 50 फीसदी को अपना हक बताया है। अपनी पीठ थपथपाई, और प्रयास की जरूरत स्वीकारी- सोलहवें वित्त आयोग के अध्यक्ष अरविंद पनगढ़िया के सामे राज्य सरकार ने लिखित तौर पर प्रस्ताव के साथ अपनी मांग बताई है। सरकार ने मांगों की जानकारी से पहले दावा किया है कि बिहार ने पिछले लगभग दो दशकों में उच्च आर्थिक विकास दर को बनाए रखा है तथा विभिन्न सामाजिक-आर्थिक विकास संकेतकों में उल्लेखनीय प्रगति दर्ज की है। इसके साथ ही यह भी स्वीकार किया है कि विभिन्न संकेतकों में राष्ट्रीय औसत को प्राप्त करने के लिए और प्रयास किए जाने की आवश्यकता है। इसके बाद राज्य सरकार ने इन जरूरतों के मद्देनजर अपनी मांगों की फेहरिस्त भी दी है। सोलहवें वित्त आयोग से अपेक्षाओं की सूची भी दी राज्य सरकार ने लिखा कि बिहार के विकास को बढ़ावा देने के लिए राज्य की राजकोषीय क्षमता को बढ़ाने के लिए सोलहवें वित्त आयोग से अपेक्षा है कि वह विशेष वित्तीय प्रावधान करे। केंद्र सरकार से वित्तीय संसाधन के हस्तांतरण के लिए अधिक से अधिक फार्मूला-आधारित दृष्टिकोण अपनाए जाने की जरूरत बताते हुए लिखा गया है कि इसके अतिरिक्त सीमित राजकोषीय संसाधनों वाले राज्यों पर वित्तीय बोझ को कम करने के लिए राज्यों को अनुदान संबंधी व्यय के लिए अपने हिस्से से वित्तीय योगदान करने की आवश्यकता को नहीं रखा जाए। मतलब, केंद्र प्रायोजित योजनाओं में कमजोर राज्यों को धन लगाने के लिए न कहा जाए। सेस और सरचार्ज बढ़ाए जाने का फायदा भी

मिले- राज्य सरकार ने वित्त आयोग का ध्यान आकृष्ट कराया है कि केंद्र सरकार द्वारा %सेस% और %सरचार्ज के माध्यम से राजस्व संग्रह में पिछले कुछ वर्षों में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। चूंकि, यह राजस्व राज्यों के साथ साझा नहीं किया जाता है, इसलिए %सेस% और %सरचार्ज% से बढ़ते राजस्व संग्रह राज्य सरकारों के लिए राजस्व की हानि की तरह हैं। ऐसे में वर्तमान वित्त आयोग से अपेक्षा है कि %सेस% और %सरचार्ज को विभाज्य पूल में शामिल करने की अनुशंसा करे। इसके साथ यह भी मांग की गई है कि राज्यों की वित्तीय आवश्यकताओं को देखते हुए केंद्रीय करों की शुद्ध आय का कम से कम 50 प्रतिशत राज्य सरकारों के साथ साझा किया जाना चाहिए। जनसंख्या को लेकर तर्क देकर मांग को जायज बताया- राज्य सरकार ने वित्त आयोग से केवल मांग ही नहीं रखी, उसके साथ तर्क भी दिया। बताया गया कि वित्त आयोग राज्यों के बीच केंद्र सरकार से मिलने वाले राजस्व को वितरित करने के तरीके का निर्धारण करते समय दो मुख्य मानदंडों जनसंख्या और क्षेत्र का उपयोग करता है। अधिक चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। सरकार ने मांग रखी कि संसाधन हस्तांतरण के फॉर्मूले में जनसंख्या घनत्त्व को प्राथमिकता दी जानी चाहिए। यह समायोजन सामाजिक और भौतिक बुनियादी ढांचे दोनों पर जनसंख्या के प्रभाव को कम करने में मदद करेगा। राज्य सरकार ने अपील की कि वित्त आयोग केंद्र सरकार के कर राजस्व के विभाज्य पूल में प्रत्येक राज्य की हिस्सेदारी निर्धारित करने के लिए %मल्टी डायमेंशनल पॉवर्टी इंडेक्स (एमपीआई) को एक प्रमुख मानदंड के रूप में शामिल करने पर विचार करे। वित्त आयोग ऐसी अनुशंसा करे, जिससे राज्य सरकारों पर अतिरिक्त वित्तीय शर्तें लगाए बिना स्थानीय निकायों को उनके कामकाज को बेहतर बनाने के लिए पर्याप्त वित्तीय संसाधन आवंटित हो सके। सीमित वित्तीय संसाधनों वाले राज्य के लिए अक्सर सशर्त वित्तपोषण की मांगों को पूरा करना कठिन होता है। राज्य सरकार ने 16वें वित्त आयोग से कितना अनुदान मांगा- राज्य सरकार ने पंचायती राज संस्थाओं को मजबूत करने के लिए 16वें वित्त आयोग से 24,206.68 करोड़ रुपये का अनुदान मांगा है। शहरी निकायों के विकास के लिए 35,025.77 करोड़ रुपये का अनुदान मांगा गया है। इसके अलावा, राज्य के विकास की जरूरतों को पूरा करने के लिए तत्काल वित्तीय सहायता के तहत वित्त आयोग से 1,00,079 करोड़ रुपये के अनुदान की मांग की गई है। विशेष रूप से, राज्य में क्लाइमेट रेसिलिएंट कृषि प्रथाओं की तैयारियों के लिए 703.03 करोड़ रुपये का अनुदान मांगा गया है। बिहार को %देश का जैविक कटोरा% बनाने के लिए आवश्यक बुनियादी ढाँचे को विकसित करने के लिए 430.37 करोड़ रुपये का अतिरिक्त अनुदान मांगा गया है। राज्य में नहर प्रणाली को विकसित करने के लिए 13,800 करोड़ रुपये का अनुदान मांगा गया है। कृषि उत्पादकता को बढ़ावा देने के लिए बिहार में सूक्ष्म सिंचाई बुनियादी ढांचे के विकास के लिए 3,577 करोड़ रुपये के अनुदान की मांग की गई है। प्रखंडों के लिए राशि आवंटन की जरूरत बताई, मांग भी रखा सरकार ने लिखा है कि अभी केंद्र सरकार वर्तमान में चयनित महत्वाकांक्षी (Aspirational) जिलों और प्रखंडों को सहायता प्रदान करती है। राज्य सरकार को बिहार भर में सामाजिक-आर्थिक संकेतकों को बेहतर बनाने के लिए सभी प्रखंडों को राशि आवंटित करने की जरूरत है। इस उद्देश्य के लिए 13,500 करोड़ रुपये का वित्तीय अनुदान की मांग की गई है। शिक्षा क्षेत्र में आवश्यक बुनियादी ढाँचे को विकसित करने के लिए 18,532.10 करोड़ रुपये के अनुदान की मांग की गई है। बिहार की समृद्ध सांस्कृतिक, ऐतिहासिक और कलात्मक विरासत को देखते हुए, राज्य में एक विश्व स्तरीय फिल्म सिटी की स्थापना के लिए 200 करोड रुपये का अनुदान मांगा गया है। 25 प्रतिशत अंशदान की जगह 10 फीसदी करने की मांग- राज्य सरकार ने अपनी ओर से दिए प्रस्ताव में लिखा है कि पिछले वित्त आयोग ने राज्य स्तर पर आपदा प्रबंधन हेतु आवंटन के लिए केंद्र और राज्यों के बीच 75-25 के अंशदान अनुपात की सिफारिश की थी।

संपादकीय Editorial

Homecoming of 'Space Daughter'

These moments are extremely emotional, happy, enthusiastic and proud. A daughter of Indian origin has returned home safely from space. The daughter has returned after living and struggling every moment in such a world of the universe where there was no water, oxygen and fresh food. Water had to be drunk by recycling one's own urine and sweat. The food was canned, which the astronauts had taken with them. How can living in such a world be normal? Sunita and her colleagues fought a long battle for life and their research mission. They prepared a way and method for the future passengers as to how a relatively long time can be spent in space? Comfortable life in 'zero gravity' cannot even be imagined, but even in that world, the 'Space Daughter' stayed for 286 days, did the challenging task of walking, and also planted the sacred plant of 'Mata Tulsi' in space. Although Sunita was born in America, her father Deepak Pandya's family roots are in Gujarat, India, so the 'Akhand Jyoti' was lit in Sunita's native village Jhulasan (Mehsana district) for the last 9 months. Prayers were offered for every auspicious and positive moment of the daughter. Ultimately, faith and belief won and space science, technology and engineers also won. By the way, Sunita Williams has gone to space three times and has lived there for a total of 609 days. Ahead of her is Peggy Whitson of America, who stayed in space for 675 days. This world record is registered in the name of Oleg Kononenko of Russia, who has traveled to space five times and has spent a total of 1110 days in space. Whatever it may be, such efforts seem supernatural and superhuman. During the time Sunita spent in space this time, she orbited the Earth about 4500 times. The speed was 28,000 kilometers per hour and during that time, we saw 16 sunrises and 16 sunsets in a day. A day there is only 19 minutes long. What an exciting and wonderful experience it must have been! When SpaceX's Dragon capsule landed in the sea at 3.27 am on Wednesday, March 19, imagine how many prayers must have come true! The safe return of the astronauts created a new history. With this, another attempt of a private company in space was successful. The capsules of the world's richest industrialist Elon Musk's company have traveled to the space station 44 times. They have successfully completed a total of 49 missions. What an immense, infinite achievement this is! When NASA was not able to successfully return its astronauts home, SpaceX's mission was sent and our brave astronauts could return home safely. However, now Sunita Williams and other astronauts will be kept in NASA's rehabilitation center for the time being. The data collected this time is part of an ongoing process. However, we congratulate the efforts of Aakashvili and wish them success.

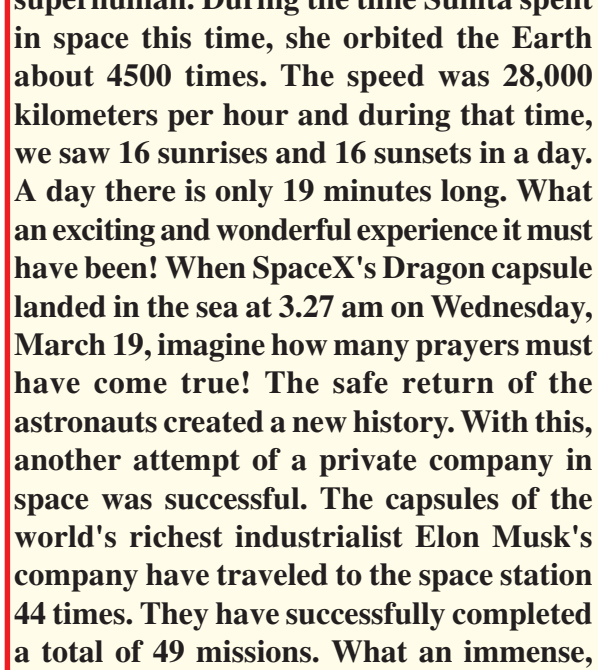

The disease of glorifying the invader, calling a cruel ruler like Aurangzeb great is mental bankruptcy

The Mughals fell because of Aurangzeb's wrong policies. Can a ruler be called great, during whose reign terrible atrocities were committed on the majority community, during whose reign a severe financial crisis occurred and during whose reign the most rebellions took place? In fact, calling such a cruel and unsuccessful ruler great is nothing but mental bankruptcy. Recently, Maharashtra's SP MLA Abu Azmi praised the greatness of the Mughal ruler Aurangzeb. After opposition, he withdrew his statement, but it stirred up the country's politics and violence also took place in Nagpur, in which many policemen were also injured. The common people of the country consider Aurangzeb to be barbaric, but a handful of people keep on calling him a kind and great ruler. Before calling a ruler great or cruel, we should know about his personality, the policies adopted during his reign and how he behaved with his subjects, etc. Aurangzeb is judged less on facts and more on hearsay and religious prejudices. In this process, sometimes even the things written by his own courtiers are ignored. A king is great only when he worked for the welfare of his subjects, under whose rule the burden of taxes on the subjects was minimal and there was no religious discrimination and the state made all-round progress in literature, art, trade, science and other fields. Some contemporary Muslim historians glorified Aurangzeb by considering him an ideal because of his fanaticism and gave him the title of 'Zinda-Peer'. Some later historians also glorified him on this basis, which does not match the facts. Should he be called great just because he ruled over a large part of the Indian subcontinent? A large state is not a proof of the greatness of a ruler. There is no need to say much about the manner in which Aurangzeb attained the throne, because at that time succession was achieved only by killing the other claimants or the ruler. Aurangzeb fought a war with his brothers to get the throne while his father Shah Jahan was still alive. He killed his brother Dara Shikoh on the false allegation that he had acted against Islam. He killed Dara mercilessly and presented his head on a platter to his father Shah Jahan. Will this not be called extreme cruelty? He also got Dara's son Suleiman and his brother Murad killed by deceit. He tortured his father Shah Jahan for water and kept him in prison till his death. He did not even attend Shah Jahan's funeral. Due to fear of him, other courtiers could not attend the funeral. Shah Jahan was buried by ordinary servants and eunuchs. Those who want to prove that Aurangzeb also employed Hindus, they should know that there was political compulsion behind this, because to subdue Shivaji and his descendants, he kept recruiting all those Hindu chieftains in his army and giving them jagirs who were against him. Except for two-three jagirdars, other Hindu jagirdars did not hold high positions in Aurangzeb's court. Aurangzeb tried to give Hindus as little opportunities as possible in the administration. For this, he removed Hindus employed in the revenue department from jobs, but when the task of collecting revenue became impossible, he re-appointed Hindus. Rebellions have happened during the period of all rulers, but due to Aurangzeb's crazy ways, there was a spate of rebellions during his period. Rebellions of Rajputs, Jats, Bundelas, Sikhs, Shias and Sanyasis were seen against him. The Marathas caused him the most damage. He could not overcome them. Aurangzeb reintroduced the forced collection of Jaziya from non-Muslims which Akbar had banned. Around the same time, he doubled the tax imposed on Hindu traders and completely abolished the tax levied on Muslim traders. The way he demolished hundreds of temples, apart from Vishwanath Temple of Banaras, Keshavdas Temple of Mathura, Somnath Temple, is a proof of his bigotry. He killed the ninth Sikh Guru Teg Bahadur and his companions ruthlessly because they were not ready to accept Islam. To convert non-Muslims, he made such a policy under which if thieves, robbers, murderers accepted Islam, they were released. He stopped practices like Jharokha Darshan, Tula Daan, which were popular by Akbar. He also banned music. Some people argue that he used to stay awake all night doing state work. The reality behind this is that he did not trust anyone, not even his sons, daughters and courtiers. That is why he used to do all the work himself. The Mughals fell because of Aurangzeb's wrong policies. Can a ruler be called great when he faced terrible atrocities on the majority community, faced a severe financial crisis and had the most rebellions? In fact, calling such a cruel and unsuccessful ruler great is nothing but mental bankruptcy.

Pakistan on the path of disintegration, whose foundation is centered only on anti-India-Hindu hatred

Pakistan Terrorism Pakistan is not a nation but a toxic ideological project whose foundation is centered only on anti-India-Hindu hatred. On March 12 itself, the Education Department of Pakistani Punjab banned Hindi songs in schools and colleges in the name of 'immorality-obscenity'. Then why was there no ban on western dance and songs? This is not the first irony of Pakistan. Recently, many people including Pakistani soldiers were killed in separate attacks by the Balochistan Liberation Army (BLA) targeting the Pakistani army. The situation worsened so much that the army and political parties had to call hasty meetings. The recent developments in Pakistan have exposed many untold and bitter truths. First, that Pakistan is not a nation but an artificial entity created by colonial powers for their vested interests. Secondly, most of the people on the world map where Pakistan is located, neither wanted the partition of the country in the name of Islam nor did they support the concept of Pakistan. Many are still against it. Thirdly, the 'Ummah' which emphasizes global Muslim cooperation and unity in the name of Islam is only a bookish thing. It has nothing to do with practicality. Talking about Balochistan, which is in the headlines, it has a history of thousands of years. The influence of Islam increased here after the attack of Muslim invaders on India in the seventh century. Hinglaj Mata Temple, one of the major Shaktipeeths of Hindus, still exists here. During the British rule, Balochistan was ruled by the princely state of Kalat. In 1876, a treaty was signed between the two and it became a conditional British subordinate state. After the partition in 1947, Kalat chose the right to remain independent, but in March 1948, on the instructions of Mohammad Ali Jinnah, the Pakistani army annexed it by force. Since then it has remained a symbol of the 'struggle for nationalism and self-determination' for Baloch nationalists. Separatism in Pakistan is not limited to Balochistan alone but has spread to Sindh and Pashtun region. Apart from Balochistan, Sindh, Punjab and Khyber Pakhtunkhwa also opposed a separate country in the name of Islam before partition. Allahbakhsh Muhammad Umar Soomro, the top leader of Sindh Ittehad Party, was the Prime Minister of Sindh twice in undivided India. He had described the concept of creating a separate country on the basis of religion as anti-Islam. Allahbakhsh was assassinated in 1943, in which the Muslim League was suspected to be involved. Till 1945, there was no political support for Pakistan even in undivided Punjab. In the provincial elections of 1937, the people of Punjab chose the 'secular' Unionist Party instead of the extreme religious Muslim League. This party formed the government in Punjab along with Akali Dal and Congress under the leadership of Sikandar Hayat Khan. Sikandar rejected the 1940 'Pakistan proposal'. After his death, the influential Malik Khizar Hayat Tiwana took over the reins of the Punjab government from 1942. Jinnah put pressure on Tiwana but Tiwana did not bow down and announced to work together with Hindus, Sikhs and Muslims in Punjab. Jinnah, upset by this, incited religious frenzy in Punjab. The Unionist Party disintegrated and in the 1946 elections, Punjab went into the hands of the Muslim League. When Tiwana retired from politics and reached Punjab of the newly formed Pakistan in October 1949, the Islamic government there confiscated his immense wealth out of resentment. To escape religious persecution, he settled in America and breathed his last there in 1975. There was no support for Pakistan in Khyber Pakhtunkhwa either. The Muslim League did not get widespread support in the 1946 provincial elections. The land of work of Sardar Abdul Ghaffar Khan, who is known as Frontier Gandhi, had strongly opposed the partition. Ghaffar fought for the autonomy of the Pashtuns, due to which he spent most of his time in jail or exile. Similarly, when the Pakistani establishment repeatedly crushed the Bengali identity in East Pakistan, the fire of rebellion led by Sheikh Mujibur Rahman gave birth to Bangladesh in 1971. Now the same situation is seen in Balochistan. Meanwhile, this is not the first time that the 'Ummah' has been questioned. If the 'Ummah' is really practical, then what is the reason for the hostility between Saudi-Iran, Turkey-Syria and Pakistan-Afghanistan? Ahmadiya Muslims had a multi-faceted role in the creation of Pakistan. In 1940, the religious idea of ??Pakistan was written down by Ahmadiya Muslim Muhammad Zafarullah. He became the first foreign minister of Pakistan and also used to lobby against India on the issue of Kashmir in the United Nations. When Pakistan attacked Kashmir in October 1947, the Caliph of Ahmadiya Muslims, Mirza Bashir-ud-Din Mahmood Ahmad, formed a military force called 'Furqan Force' against the Indian Army. Imagine, in the same Pakistan where Ahmadiya Muslims fought for their dream country in the name of Islam, they were declared non-Muslims in 1974 on religious grounds. Since then, they too are victims of religious persecution like other 'kafirs'. Pakistan is not a nation, but a toxic ideological project, whose foundation is based only on anti-India-Hindu hatred. On March 12 itself, the Education Department of Pakistani Punjab banned Hindi songs in schools and colleges in the name of 'immorality-obscenity'. Then why was there no ban on western dance and songs? This is not the first irony of Pakistan.

हर बूथ पर बूथ लेवल एजेंट नियुक्त कर उसकी सूची दें राजनीतिक दल, DM ने मांगा सहयोग

त्रृटिरहित मतदाता सूची तैयार कराने में जिला निर्वाचन अधिकारी ने मांगा सहयोग, कलेक्ट्रेट सभागार में राजनैतिक दलों के पदाधिकारियों व प्रतिनिधियों के साथ हुई बैठक

मुरादाबाद- जिलाधिकारी अनुज सिंह की अध्यक्षता में गुरुवार को कलेक्ट्रेट सभागार में मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय एवं राज्यीय दलों के पदाधिकारियों व प्रतिनिधियों के बैठक हुई। जिलाधिकारी ने भारत निर्वाचन आयोग द्वारा दिए निर्देशों के अनुपालन में समस्त मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय एवं राज्यीय राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों से कहा कि से जिले में सभी विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र के प्रत्येक बूथ पर बूथ लेवल एजेंट (बीएलए) नियुक्त करके उसकी सूची बीएलए का नाम/मोबाइल नम्बर आदि समस्त निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी एवं निर्वाचन कार्यालय को उपलब्ध करा दें। जिससे आगामी पुनरीक्षण के दौरान मतदाताओं के सत्यापन में त्रृटिरहित मतदाता सूची तैयार कराई जा सके। जिलाधिकारी ने कहा कि यदि किसी राजनैतिक दल को किसी प्रकार की कोई आपत्ति/सुझाव हो तो बता दें जिससे उसका निराकरण किया जा सके। उन्होंने कहा कि मतदाता सूची के अपडेशन का कार्य जारी है, इसमें सहयोग प्रदान करें। मतदाता सूची आनलाइन भी उपलब्ध रहती है उसका प्रिंट निकालकर भी देखा जा सकता है। उन्होंने सहायक जिला निर्वाचन अधिकारी को राजनैतिक दलों का एक व्हाट्सएप ग्रुप बनाने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि यदि किसी बूथ की बिल्डिंग खराब हो गयी है तो समय रहते बता दें। बैठक में अपर जिलाधिकारी प्रशासन गुलाब चन्द्र, सभी तहसीलों के उपजिलाधिकारी, अपर नगर मजिस्ट्रेट प्रथम एवं द्वितीय,सहायक जिला निर्वाचन अधिकारी के अलावा भाजपा, समाजवादी पार्टी, बसपा, कांग्रेस, अपना दल आदि राजनैतिक दलों के पदाधिकारी/प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

नीली-लाल बत्ती लगी कार से लोगों पर रौब झाड़ता था कुलदीप, पत्नी की हत्या में जा चुका है जेल

पुलिस ने कब्जे में ली आरोपी की बत्ती व हूटर लगी कार

मुरादाबाद- फर्जी विजिलेंस अधिकारी कुलदीप शर्मा के पास से लग्जरी कार बरामद हुई। उसमें नीली-लाल बत्ती और हूटर लगा हुआ है। इसी गाड़ी से वह चलता था और लोगों पर रौब झाड़ता था।

सोनकपुर स्टेडियम में भी वह इसी कार से पहुंचा था। वहां पर उसने कोच सोहेल से मुलाकात की थी। बातचीत करने के बाद सुहेल इसी नीली-लाल बत्ती की कार से बिजनौर गए थे। सीसीटीवी फुटेज में इस बात का खुलासा हुआ है। पुलिस के पास सीसीटीवी फुटेज मौजूद भी हैं।अभिलेखों में हेराफेरी कर बना फर्जी विजिलेंस अधिकारी सिविल लाइंस पुलिस द्वारा गिरफ्तार किया गया कुलदीप शातिर दिमाग है। उसने अभिलेखों में हेराफेरी करके अपना आईडी कार्ड बनवाया। आधार कार्ड पर भी उसने पुलिस की वर्दी पहने हुए वाला फोटो अपलोड किया है। जिससे लोगों को उस पर कोई शक न हो सके। थाना सिविल लाइंस प्रभारी निरीक्षक मनीष सक्सेना ने बताया कि फर्जी विजिलेंस अधिकारी की आईडी में उसने अपना नाम कुलदीप की जगह दिव्य प्रकाश शुक्ला दर्शाया है। शुरुआत में वह पुलिस को भी गुमराह करता रहा। सख्ती से पूछताछ करने पर उसने विस्तार से पुलिस को जानकारी दी। अलीगढ़, मेरठ, आगरा, कानपुर में भी लोगों से वसूली मोटी रकम- पकड़े गए फर्जी विजिलेंस अफसर के आईडी कार्ड पर केंद्रीय सतर्कता आयोग लिखा हुआ है। उसने पुलिस को बताया कि वह प्रापर्टी विवाद के मामले तलाश करता रहता है। इसमें अपने फर्जी पद का दुरुपयोग कर समझौता कराने का काम करता है। इसके बाद दोनों पक्षों से मोटी रकम भी वसूल करता है। लंबे समय से वह इस प्रकार लोगों से रकम वसूलने का काम कर रहा है। एक अनुमान के मुताबिक तीन दर्जन से अधिक लोगों से वह मोटी रकम वसूल चुका है। इसमें आधा दर्जन मामले मुरादाबाद के ही हैं। इसके अलावा अलीगढ़, मेरठ, आगरा, कानपुर में भी उसने लोगों से मोटी रकम वसूल की है। पत्नी की हत्या में जा चुका है जेल- पूछताछ में कुलदीप शर्मा ने खुलासा किया कि वह पहले आरएफसी विभाग में क्लर्क के पद पर तैनात था। पत्नी की हत्या के मामले में उसे जेल जाना पड़ा था। इसके बाद उसे बर्खास्त कर दिया गया था। कुछ दिनों तक वह अवसाद में रहा। इसके बाद उसने फर्जी विजिलेंस अफसर बनकर लोगों से मोटी रकम वसूलना शुरू किया। उसने पुलिस को बताया कि उसके पूरे यूपी ही नहीं दिल्ली, उत्तराखंड के अलावा पंजाब में भी एजेंट बने हुए हैं। वह लोग उसे प्रापर्टी विवाद के बड़े मामले उस तक पहुंचाते हैं। बदले में वह दो से तीन प्रतिशत की रकम एजेंटों को भी देता है।

जिला अस्पताल में हाई डिपेंडेंसी यूनिट का हुआ लोकार्पण, क्रिटिकल बीमारी से जूझ रहे बच्चे होंगे भर्ती

मुरादाबाद- पंडित दीनदयाल उपाध्याय जिला अस्पताल में गुरुवार को हाई डिपेंडेंसी यूनिट (एचडीयू) का लोकार्पण विधान परिषद सदस्य गोपाल अंजान ने किया। इसमें गंभीर बीमारियों से ग्रस्त बच्चों का विशेष रूप से इलाज किया जाएगा। जिला अस्पताल की प्रमुख अधीक्षक व मंडलीय अपर निदेशक डा. संगीता गुप्ता ने बताया कि पांच बेड का यह एचडीयू यूनिट मिनी आईसीयू के रुप में कार्य करेगा। इसमें इलाज के दौरान हाईजीन का विशेष ख्याल रखा जाएगा। इस यूनिट में स्टाफ के लिए अलग केबिन बना है। जिसमें एक स्टाफ नर्स की तैनाती 24 घंटे शिफ्टवार रहेगी। डीएनबी डिप्लोमा धारी की ड्यूटी रहेगी। क्रिटिकल बीमारी से जूझ रहे बच्चे इसमें भर्ती होंगे। इस यूनिट की मानीटरिंग के लिए 24 घंटे चिकित्सक की ड्यूटी रहेगी। यूनिट का लोकार्पण करने के बाद विधान परिषद सदस्य ने अंदर सुविधाओं को देखकर सराहना की। इस दौरान प्रमुख अधीक्षक के अलावा अस्पताल के चिकित्सा अधीक्षक व वरिष्ठ बालरोग विशेषज्ञ डा. राजेंद्र कुमार, डिप्लोमा फार्मासिस्ट यूनियन के प्रदेश अध्यक्ष संदीप बडोला व अन्य स्टाफ आदि भी मौजूद रहा।

प्रेमी ने शादी से किया इनकार तो प्रेमिका ने थाने के बाहर खा ली चूहे मार दवा, जानिए फिर क्या हुआ?

पुलिस ने युवती को जिला अस्पताल में कराया भर्ती, हालत में सुधार होने पर गुरुवार को होगी शादी

मुरादाबाद- प्रेमी ने शादी करने से इनकार किया तो प्रेमिका ने मझोला थाने पहुंचकर चूहे मार दवा खा ली। हालत बिगड़ने पर पुलिस ने युवती को जिला अस्पताल में भर्ती कराया। प्रेमी युगल में दो साल से प्रेम प्रसंग चल रहा था। पुलिस ने प्रेमी युगल को परिजनों के साथ समझौता कराने के लिए बुधवार को दोपहर थाने बुलाया था। युवती द्वारा चूहे मार दवा खाने के बाद दोनों की शादी कराने की सहमति बन गई। तबीयत सही होने पर गुरुवार को प्रेमी युगल की शादी कराई जाएगी। थाना मझोला क्षेत्र के एक गांव निवासी युवक महानगर के एक निजी कालेज से बीएड की पढ़ाई कर रहा है। इसी कालेज में गजरौला निवासी एक युवती भी पढ़ती है। दो साल पहले युवक और युवती में बातचीत शुरू हो गई। नजदीकी बढ़ी तो दोनों में प्रेम प्रसंग हो गया। दो साल से चल रहे प्रेम प्रसंग में दोनों ने शादी करने का निर्णय लिया। अब एक माह पहले युवती ने युवक से शादी करने के लिए कहा तो उसने इनकार कर दिया। युवती के परिजनों ने युवक के परिवार वालों से शादी की बात की, लेकिन वह भी तैयार नहीं हुए। इसी बीच आठ दिन पहले युवती ने मझोला थाने में एक शिकायती पत्र शादी करने की मांग को लेकर दिया। शिकायती पत्र का निस्तारण करने की जिम्मेदारी थाने महिला दारोगा चंचल को दी गई। महिला दारोगा ने बुधवार को दोपहर दोनों पक्षों को समझौते के लिए थाने बुला लिया। दोनों पक्ष लगभग एक बजे थाने पहुंच गए। जब पुलिस ने युवक से शादी करने के लिए कहा तो उसने इनकार कर दिया। जैसे ही युवक ने शादी के लिए इनकार किया तो साथ में लेकर आई चूहे मार दवा युवती ने खा ली। जब इस मामले की जानकारी पुलिस को लगी तो उसे तुरंत जिला अस्पताल में भर्ती कराया। जहां उसका उपचार चल रहा है। उधर, युवती ने जैसे ही जहरीला पदार्थ खाया तो युवक भी शादी करने के लिए तैयार हो गया। दोनों पक्षों में सहमति बनी है कि अगर रात भर में ही युवती की हालत में सुधार हो गया तो गुरुवार में इनकी शादी कर दी जाएगी।

25 प्रतिशत टैरिफ ने उड़ा दी मुरादाबाद के निर्यातकों की नींद, बोले-सरकार को देना चाहिए इसमें दखल

मुरादाबाद- मौजूदा समय में पीतल नगरी का निर्यात अब तक के सबसे बुरे दौर से गुजर रहा है। अमेरिका के निर्यात में लगातार गिरावट हो रही है। एल्युमिनियम और स्टील पर लगे 25 प्रतिशत टैरिफ ने मुरादाबाद के निर्यातकों की नींद उड़ा दी है। महानगर के निर्यातकों ने अमृत विचार से बातचीत में बताया कि मौजूदा दौर में एल्युमिनियम मुरादाबाद से सबसे ज्यादा मात्रा में निर्यात हो रहा है। ज्यादातर होम डेकोर के आइटम अधिक मात्रा में अमेरिका में निर्यात हो रहे है। उन्होंने बताया कि हर साल मुरादाबाद से साढ़े दस हजार करोड़ का निर्यात दुनियाभर में होता है, जिसमें अकेले अमेरिका में पांच हजार करोड़ रुपये का निर्यात हो रहा है। ऐसे में ज्यादातर बायर्स ने नये ऑर्डर होल्ड कर दिए है। क्योंकि एल्युमिनियम व स्टील पर बढ़े 25 प्रतिशत टैरिफ की बढ़ी कीमत बायर्स देने को तैयार नहीं है। उनका कहना है कि 25 प्रतिशत बढ़े टैरिफ का खर्चा निर्यातक खुद भरें। ऐसे में बायर्स टैरिफ बढ़ने पर अपने आर्डर कैंसिल करा रहे हैं। इससे मुरादाबाद के हालात काफी खराब हो जाएंगे और बेरोजगारी बढ़ जाएगी। इसलिए सरकार को इसमें अपना दखल देना चाहिए। सरकार को चाहिए कि वह निर्यातकों के हित में कोई अच्छा कदम उठाए, जिससे पीतल नगरी के निर्यात में पहले जैसी तेजी आए। अगर इसी तरह के हालात रहे तो मुरादाबाद में काम करने वाले मजदूर जो निर्यात फैक्ट्रियों में काम कर रहे हैं, वह बेरोजगार हो जाएंगे। मौजूदा समय में मुरादाबाद की ज्यादातर फैक्ट्रियों में जो भी आर्डर हैं, वह सभी एल्युमिनियम के ही हैं। लेकिन 25 प्रतिशत टैरिफ बढ़ने पर बायर्स ऑर्डर कैंसिल कर रहे हैं। - नवेद खान, निर्यातक टैरिफ बढ़ने के बाद से बायर्स ने काफी ऑर्डर कैंसिल कर दिए हैं। कुछ बायर्स ने ऑर्डर होल्ड भी कर दिए हैं। निर्यात आइटमों की संख्या लगातार कम हो रही है। जिससे निर्यातकों को भारी नुकसान हो रहा है। बायर्स टैरिफ अपने ऊपर लेने को तैयार ही नहीं है।- नवेदुर्रहमान, अध्यक्ष, मुरादाबाद हैंडीक्राफ्ट्स एक्सपोर्टर्स एसेसिएशन

KYUN NA LIKHUN SACH
हिंदी अंग्रेजी दैनिक समाचार पत्र
दैनिक क्यूँ न लिखूँ सच
को आवश्यकता है उत्तर प्रदेश . उत्तराखंड मध्य प्रदेश ,दिल्ली ,बिहार पंजाब छतीसगढ़ राजस्थान आदि सभी राज्यों से रिपोर्टर,जिला ब्यूरो विज्ञापन प्रतिनिधि की
सम्पर्क करे-9027776991

संक्षिप्त समाचार

गर्भवती महिला की इलाज के दौरान मौत, गुस्साए परिजनों ने किया हंगामा

मुरादाबाद- मुरादाबाद। मझोला थाना क्षेत्र के मानसरोवर स्थित निजी अस्पताल में बुधवार देर रात इलाज में लापरवाही से महिला की मौत हो गई। गुस्साए परिजनों ने डॉक्टर पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए जमकर हंगामा किया। सूचना पाकर पुलिस मौके पर पहुंची और आक्रोशित परिवार वालों को किसी तरह समझाकर शांत किया। शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मझोला थाना क्षेत्र के सिरकोई भूड़ निवासी राजू ने बताया कि दिल्ली रोड समानसरोवर स्थित अस्पताल में अपनी गर्भवती पत्नी राजवती को भर्ती कराया था। डॉक्टर और अस्पताल स्टाफ सब कुछ ठीक-ठाक होने की जानकारी देते रहे। ऑपरेशन के दौरान पत्नी ने बच्ची को जन्म दिया। खुशी की लहर दौड़ गई थी। जहां कुछ देर बाद अचानक पत्नी की मौत हो गई। राजू ने बताया कि पत्नी की मौत डॉक्टर की लापरवाही के कारण हुई है। उसके खिलाफ कार्रवाई की जानी चाहिए।

जिला अस्पताल में हाई डिपेंडेंसी यूनिट का हुआ लोकार्पण, क्रिटिकल बीमारी से जूझ रहे बच्चे होंगे भर्ती

मुरादाबाद- पंडित दीनदयाल उपाध्याय जिला अस्पताल में गुरुवार को हाई डिपेंडेंसी यूनिट (एचडीयू) का लोकार्पण विधान परिषद सदस्य गोपाल अंजान ने किया। इसमें गंभीर बीमारियों से ग्रस्त

बच्चों का विशेष रूप से इलाज किया जाएगा। जिला अस्पताल की प्रमुख अधीक्षक व मंडलीय अपर निदेशक डा. संगीता गुप्ता ने बताया कि पांच बेड का यह एचडीयू यूनिट मिनी आईसीयू के रुप में कार्य करेगा। इसमें इलाज के दौरान हाईजीन का विशेष ख्याल रखा जाएगा। इस यूनिट में स्टाफ के लिए अलग केबिन बना है। जिसमें एक स्टाफ नर्स की तैनाती 24 घंटे शिफ्टवार रहेगी। डीएनबी डिप्लोमा धारी की ड्यूटी रहेगी। क्रिटिकल बीमारी से जूझ रहे बच्चे इसमें भर्ती होंगे। इस यूनिट की मानीटरिंग के लिए 24 घंटे चिकित्सक की ड्यूटी रहेगी। यूनिट का लोकार्पण करने के बाद विधान परिषद सदस्य ने अंदर सुविधाओं को देखकर सराहना की। इस दौरान प्रमुख अधीक्षक के अलावा अस्पताल के चिकित्सा अधीक्षक व वरिष्ठ बालरोग विशेषज्ञ डा. राजेंद्र कुमार, डिप्लोमा फार्मासिस्ट यूनियन के प्रदेश अध्यक्ष संदीप बडोला व अन्य स्टाफ आदि भी मौजूद रहा।

क्यूँ न लिखूँ सच

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक नरेश राज शर्मा द्वारा ए0एच0प्रिंटर्स, ए-11, असालतपुरा, लंगड़े की पुलिया, मुरादाबाद-244001(उत्तर प्रदेश) से छपवाकर कार्यालय म.नं. 210 खा सीतापुरी,डबलफाटक जनपद-मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित एवं वितरित किया।

संपादक - नरेश राज शर्मा

मो. 9027776991

RNI NO- UPBIL/2021/83001

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी होंगे तथा समस्त विवाद मुरादाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।

क्यूँ न लिखूँ सच समाचार पत्र में सभी पद अवैतनिक है

वार्षिकोत्सव हमारी प्राचीन सनातनी परंपरा -शकुंतला देवी चेयरमैन

क्यूँ न लिखूँ सच

रिठौरा। बेसिक शिक्षा परिषद द्वारा संचालित प्राथमिक विकास खंड बिथरी चैनपुर की नगर पंचायत रिठौरा के मोहल्ला खाता स्थित प्राथमिक विद्यालय में वृहस्पतिवार को वार्षिकोत्सव का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि चेयरमैन शकुन्तला देवी ने मां सरस्वती के चित्र के सामने दीप प्रज्वलित कर किया।इस मौके पर बच्चों एवं अभिभावकों को सम्बोधित करते हुए चेयरमैन शकुंतला देवी ने कहा वार्षिकोत्सव समारोह हमारी प्राचीन सनातनी परंपरा है। हमारे स्कूल अब कान्वेंट स्कूलों से कम नहीं हैं।हमारी सरकार एवं शिक्षकगण लगातार कठिन परिश्रम से जहां शिक्षा दे रहे हैं। वहीं सांस्कृतिक एवं सामाजिकता का पाठ भी बेहतर ढंग से बच्चों को सिखा रहे हैं। छात्राओं ने मां सरस्वती की बन्दना के साथ कार्यक्रम की शुरुआत कर विभिन्न डांस, लोकगीत ,नाटक प्रस्तुत कर समा बांध दिया। अभिभावक लगातार तालियों से बच्चों का उत्साहवर्धन करते रहे।इस दौरान प्रधानाचार्य गंगाराम गंगवार ने सभी अतिथियों का स्वागत -सम्मान किया। मुख्य अतिथि ने बच्चों को उपहार वितरित किए। कार्यक्रम का कुशल संचालन शिक्षिका हिमानी भास्कर,शिवानी मिश्रा ने किया। वहीं कक्षा पांच के बच्चों को कक्षा चार के बच्चों ने विदाई भी दी।इस दौरान पीके गुप्ता,धनपाल सिंह एआरपी देवेन्द्र गंगवार , शिक्षक विमलेश कुमार, सीमा रानी, चन्दन सक्सेना, , सीमा यादव, स्वतंत्र गंगवार, , राजेश कुमार सहित भारी संख्या में अभिभावक मौजूद रहे।

मनोरोग से बचाव के लिए नियमित करें ध्यान व योगाभ्यास-एडीजे

क्यूँ न लिखूँ सच

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, बदायूं द्वारा गुरुवार को समय पूर्वान्ह 11:00 बजे नवजीवन वृद्धाश्रम, कछला, जनपद बदायूं में वृद्धजनों को स्वास्थ्य सम्बन्धी समस्याओं के निदान हेतु मुख्य चिकित्साधिकारी, बदायूं से सामंजस्य स्थापित कर चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया।

शिविर का शुभारम्भ अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश / सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण बदायूं शिव कुमारी, द्वारा परम्परागत तरीके से फीता काटकर किया गया। कार्यक्रम के प्रारम्भ में नोडल अधिकारी, एन. सीडी डॉ0 सनोज मिश्रा, द्वारा राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के तत्वाधान में विश्व मुख स्वास्थ्य दिवस/ ओरल हेल्थ डे के अवसर पर आयोजित चिकित्सा शिविर में उपस्थित वृद्धजनों को समस्त प्रकार के सूक्ष्म शारीरिक रोगों के लक्षण व उसके निदान के बारे में विस्तार पूर्वक जागरूक किया गया एवं डी.सी.टी.एम. श्री अरविन्द कुमार राना, चिकित्सा अधीक्षक सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, उझानी, जनपद बदायूं, डॉ0 राजकुमार, मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम की टीम, सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र उझानी की टीम एवं पैरामेडिकल स्टॉफ आदि द्वारा नवजीवन वृद्धाश्रम में आवासित वृद्धजनों का दन्त रोग, गला रोग, मनोरोग आदि का ओरल चिकित्सीय परीक्षण किया गया, परीक्षणोपरान्त विभिन्न विभिन्न रोगों से सम्बन्धित लाभार्थियों को दवाईयां वितरण की गयी एवं उचित परामर्श देकर जागरूक किया गया। वृद्धजनों को फल व छड़ी आदि वितरित किये गये साथ ही चिकित्सा शिविर में उपस्थित डाक्टरों से सभी ने अपनी शारीरिक समस्याओं का उपचार प्राप्त किया। कार्यक्रम में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, बदायूं के चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी, श्री चन्द्रपाल सिंह कश्यप व नवजीवन वृद्धाश्रम, कछला, जनपद बदायूं के संचालक, श्री जगदीश माथुर, संचालिका, श्रीमती नमिता, आश्रम प्रबन्धक, श्री प्रदीप गुप्ता व समस्त स्टाफ उपस्थित रहा एवं उक्त कार्यक्रम का संचालन, परामर्शदाता, जिला पुरुष चिकित्सालय बदायूं, श्री मो0 इलियास द्वारा किया गया।

अवैध हथियार फैक्ट्री पर पुलिस का छापा तमंचे ,बंदूकें कारतूस बरामद, छः गिरफ्तार भेजा जेल

क्यूँ न लिखूँ सच -सत्यम शर्मा

बरेली। थाना कैंट पुलिस ने अवैध तमंचे और बंदूकें की तस्करी पर बड़ी कार्रवाई करते हुए छह लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के पास से अवैध हथियार और उन्हें बनाने के उपकरण बरामद किए हैं। कुछ दिनों पहले कोतवाली क्षेत्र हुए हत्याकांड में जो तमंचा उपयोग होने वाले तमंचे के बारे में गुप्त सूचना मिली थी कि थाना कैंट क्षेत्र के नकटिया इलाके की कृष्णा कालौनी में एक खंडहर में अवैध हथियार बनाए जा रहे हैं, जो शहर में सप्लाई किए जा रहे हैं। पुलिस के अनुसार सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने छापेमारी की और मौके से छः आरोपियों को रंगे हाथों गिरफ्तार कर लिया। एसपी सिटी मानुष पारीक ने पुलिस लाइन सभागार में खुलासा करते हुई बताया कि आरोपियों पर पहले से आपराधिक मुकदमे दर्ज हैं। गिरफ्तार किए गए आरोपियों में बारादरी के कालीबाड़ी निवासी राजेश, कालीबाड़ी राजेंद्र उर्फ चिरकुंडा, कालीबाड़ी आकाश, कालीबाड़ी अभिषेक, फालतूगंज अक्षय, फालतूगंज प्रेम कच्छू उर्फ किच्छू शामिल हैं। इनके पास से तीन देशी बंदूकें, दो तमंचे, तीन अर्धनिर्मित तमंचे, 37 जिंदा कारतूस और हथियार बनाने में इस्तेमाल होने वाले विभिन्न औजार बरामद किए हैं। कैंट पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है और उन्हें कोर्ट में पेश करने के बाद जेल भेज दिया गया। पुलिस अब यह भी जांच कर रही है कि इन हथियारों की सप्लाई कहां की जा रही थी और इस गिरोह में और कौन-कौन शामिल है। इस कार्रवाई में प्रभारी निरीक्षक कैंट राजेश कुमार यादव, दरोगा मोहित चौधरी, दरोगा पवन कुमार और मुख्य आरक्षी मुकुट सिंह,अजय कुमार,रियाज अली, राजीव कुमार,संदीप पुलिसकर्मियों शामिल रहे।

फूड एंड एग्रीकल्चरल ऑर्गेनाइजेशन ने फोरेस्ट फोटो कांन्टेस्ट में प्रतिभाग करने वाले छात्र-छात्राओं को किया पुरस्कृत

क्यूँ न लिखूँ सच

बरेली।महाराजा अग्रसेन महाविद्यालय में परास्नातक के छात्र-छात्राओं में शोध के प्रति जागरूकता को लाने के लिए पी.जी फोरम द्वारा एक कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिसका मुख्य उद्देश्य छात्र-छात्राओं को आधुनिक युग में हो रहे शोध कार्यो तथा उनकी रूपरेखा तैयार करवाना था साथ ही वनस्पति विज्ञान विभाग में फूड एंड एग्रीकल्चरल ऑर्गेनाइजेशन एफ.ए.ओकी ओर से आयोजित फोरेस्ट फोटो कांन्टेस्ट में विभाग के 53 स्नातक व परास्नातक छात्र-छात्राओं ने प्रतिभाग किया। फोरेस्ट फोटो कांन्टेस्ट का शुभारम्भ महाराजा अग्रसेन शिक्षा समिति बरेली के महामंत्री शशि भूषण अग्रवाल , कोषाध्यक्ष प्रकाश चन्द्र अग्रवाल, अजय अग्रवाल चेयरमैन शैक्षिक उन्नयन समिति, सुशील कुमार मित्तल,दिनेश अगवाल ,मुकेश अग्रवाल, दीपक अग्रवाल, प्राचार्य डॉ. सौरभ अग्रवाल, अकादमिक अधिकारी डॉ. मीनाक्षी चन्द्रा, विभागाध्यक्षा डॉ. नाजो बी ने दीप प्रज्जवलित कर किया। कार्यशाला में मुख्य वक्ता के रूप में डॉ. रंजना जायसवाल, डॉ. नीतू शर्मा, मिस निशा परवीन, संचित कक्कड़, संजय गुप्ता ने छात्र-छात्राओं को शोध पत्र लेखन एवं प्रकाशन से की बारीकियों से अवगत कराया। वहीं वनस्पति विज्ञान विभाग द्वारा आयोजित प्रतियोगिता में प्रतिभाग करने के लिए छात्र -छात्राओं द्वारा विभिन्न वन खाद्य सुरक्षा उपयोगी पौधो-वनस्पतियों के छाया-चित्र एकत्र करके बेवसाइट पर अपलोड किये गये। कार्यक्रम संयोजक वनस्पति विज्ञान की विभागाध्यक्षा डॉ. नाजो बी ने यह जानकारी देते हुए बताया क निर्णायक सदस्यों ने इस प्रतियोगिता में प्रथम स्थान कशिश राधव, बी.एस.सी. चतुर्थ सेमेस्टर की छात्रा द्वितीय स्थान खुशबू फातिमा बी.एस.सी. द्वितीय सेमेस्टर, तृतीय स्थान हलीमा बी.एस.सी. द्वितीय सेमेस्टर तथा सात्वना पुरस्कार शमा बी, बी.एस.सी. चतुर्थ सेमेस्टर व रेहान अहमद बी.एस.सी. द्वितीय सेमेस्टर को मिला। महाराजा अग्रसेन शिक्षा समिति के महामंत्री शशि भूषण अग्रवाल राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित, कोषाध्यक्ष प्रकाश चन्द्र अग्रवाल, श्री अजय अग्रवाल, सुशील कुमार मित्तल चेयरमैन सांस्कृतिक कार्यक्रम, दिनेश अग्रवाल, मुकेश अग्रवाल, दीपक अग्रवाल, अकादमिक अधिकारी डॉ. मीनाक्षी चन्द्रा सभी ने प्रतिभागियों को शुभकामनाएं दीं बी.सी.ए., बी.बी.ए. एवं बी.एस.सी पी.सी.एम.के 45 छात्र-छात्राओं को बुक बैंक सुविधा के अन्तर्गत पुस्तकें भी वितरित की गई। इस मौके पर विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्षों के साथ उनके सभी प्रवक्तागण मौजूद रहे।

वित्तीय लक्ष्य की प्राप्ति हेतु रविवार में भी खुलेंगे समस्त उपनिबंधक कार्यालय

क्यूँ न लिखूँ सच

जिला निबन्धक व अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व वैभव शर्मा ने जानकारी देते हुए बताया कि वित्तीय वर्ष 2024-25 के स्टाम्प एवं रजिस्ट्रेशन विभाग, बदायूँ के फरवरी 2025 तक क्रमिक राजस्व लक्ष्य 209.68 करोड़ रुपए के सापेक्ष मात्र 161.62 करोड़ रुपए अर्थात 77.08 प्रतिशत तथा वार्षिक लक्ष्य 229 करोड़ रुपए के सापेक्ष मात्र 161.62 करोड़ रुपए अर्थात् 70.06 प्रतिशत की प्राप्ति की गयी है तथा माह मार्च हेतु निर्धारित लक्ष्य 19.32 करोड रुपए के सापेक्ष 18 मार्च 2025 तक मात्र 5.46 करोड रुपए अर्थात् 28.27 प्रतिशत राजस्व प्राप्ति की गयी है, जो सन्तोषजनक नहीं है। उन्होंने कहा कि इन परिस्थितियों के दृष्टिगत शत प्रतिशत राजस्व प्राप्ति हेतु उत्तर प्रदेश रजिस्ट्रेशन मैनुअल के नियम 131 व 132 में दी गयी व्यवस्था के अनुसार माह मार्च 2025 के तृतीय रविवार दिनांक 23 मार्च 2025 तथा चतुर्थ रविवार 30 मार्च 2025 को सामान्य कार्य दिवसों की भांति समस्त उप निबन्धक कार्यालय खुले रहेंगे क्षेत्रान्तर्गत बार एसोसिएशंस, दस्तावेज लेखक संघ तथा समस्त सम्बन्धित को समयान्तर्गत विधिवत सूचित करते हुए आम जनमानस के मध्य व्यापक प्रचार प्रसार करना सुनिश्चित करें, ताकि उपरोक्त अवकाश के दिनों में भी आम जनमानस द्वारा अपने विलेखों का अधिकाधिक संख्या में पंजीकरण कराया जा सके और जनपद हेतु स्टाम्प राजस्व लक्ष्य की शत-प्रतिशत प्राप्ति सुनिश्चित की जा सके। यह आदेश तत्काल प्रभाव से लागू होगा। इस सम्बन्ध में किसी भी स्तर पर, किसी भी प्रकार की शिथिलता या लापरवाही को प्रतिकूल दृष्टिकोण से देखा जायेगा।

मकान का इकरारनामा कराकर मां-बेटे ने हड़प लिए 14 लाख, रिपोर्ट दर्ज

क्यूँ न लिखूँ सच -सत्यम शर्मा

बरेली। इकरारनामा कराकर मां-बेटे ने एक व्यक्ति से 14 लाख रुपये हड़प लिए। आईजी डॉ. राकेश सिंह के निर्देश पर इज्जतनगर पुलिस ने दोनों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। इज्जतनगर के मुंशीनगर क्षेत्र के बड़ी विहार निवासी भूपेंद्र सिंह ने बताया कि मॉडल टाउन निवासी प्रीतम कौर और उनके बेटे सुखवंत सिंह का एक मकान ब्रह्मपुरा पूर्वी रेजीडेंसी गार्डन में है। प्रीतम कौर और सुखवंत सिंह मकान बेचना चाह रहे थे। 15 लाख रुपये में मकान का सौदा तय हो गया। आरोप है कि मां-बेटे ने उनसे 14 लाख रुपये लेकर 6 जुलाई 2020 को इकरारनामा किया। कुछ दिन बाद बैनामा कराने को कहा, मगर बाद में प्रीतम कौर और सुखवंत सिंह टालमटोल करने लगे। आरोप है कि 12 फरवरी को सुखवंत सिंह अपने साथियों के साथ उनके आवास पर आए और बैनामा कराने, रुपये देने से इन्कार कर दिया। जान से मारने की धमकी दी। उन्होंने थाना इज्जतनगर में तहरीर दी, लेकिन पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज नहीं की। तब आईजी को शिकायती पत्र दिया।

23 मार्च को गालो मुस्कुरालो वेलफेयर सोसाइटी मनाएगा होली मिलन

क्यूँ न लिखूँ सच -सत्यम शर्मा

बरेली। कृष्णा पार्क कॉलोनी स्थित गालो मुस्कुरालो वेलफेयर सोसाइटी के कार्यालय पर होली मिलन के आयोजन को ले कर एक बैठक आयोजित की गई। बैठक में यह निर्णय लिया गया कि होली पर्व के शुभ अवसर पर गालो मुस्कुरालो वेलफेयर सोसाइटी आने वाले रविवार 23 मार्च को बरेली क्लब में होली मिलन मनाएगी। यह कार्यक्रम शाम 11:00 बजे से 3.00 तक चलेगा। इसमें संस्था के सभी सदस्य अपनी गायन की प्रस्तुति देंगे। क्लब के अध्यक्ष अशोक सक्सेना ने जानकारी देते हुए बताया कि महा पर्व होली के शुभ अवसर पर संस्था एक सुर संध्या का आयोजन करेगी और सभी सदस्यों के साथ फूलों की होली खेलकर पारस्परिक मिलन का सन्देश देगी। सचिव अरुण शर्मा ने जानकारी देते हुए बताया कि गालो मुस्कुरालो वेलफेयर सोसाइटी अन्य सामाजिक सेवा कार्यों के अतिरिक्त शौकिया गायकों के लिए ऑनलाइन एवं ऑफ़लाइन गीत संगीत के कार्यक्रम आयोजित करती है। संस्था ने पिछले 4 वर्षों में 240 ऑनलाइन एवं 14 ऑफलाइन कार्यक्रम आयोजित करके कैरिओके गायन का व्यापक प्रचार प्रसार बरेली शहर में ही नहीं बल्कि देश के अन्य राज्यों में और विदेशों में भी में किया है। आज इस संस्था से लगभग 150 लोग जुड़ चुके हैं जो घर बैठे जूम के माध्यम से संगीत का आनंद उठा रहे हैं। बैठक में मुख्य रूप से उपाध्यक्ष अजय अरोरा, कोषाध्यक्ष सत्य प्रकाश ओबेरॉय, मिडिया प्रभारी विजय शर्मा,आदि सदस्य मौजूद रहे।

प्रिय सुधि पाठको आप अपना यहाँ शुभकामना सन्देश (Birthday, anniversary, any kind of message) कम कीमत में विज्ञापन छपवाए सम्पर्क करे- 9027776991

संक्षिप्त समाचार

प्राथमिक विद्यालय कंथरिया में वृहस्पतिवार को शारदा संगोष्ठी एवम् वार्षिकोत्सव का आयोजन किया गया

क्यूँ न लिखूँ सच

प्राथमिक विद्यालय कंथरिया में धूमधाम से मनाया वार्षिकोत्सव

बरेली।विकास क्षेत्र बिथरी चैनपुर के प्राथमिक विद्यालय कंथरिया में वृहस्पतिवार को शारदा संगोष्ठी एवम् वार्षिकोत्सव का आयोजन किया गया। इसमें नेहा, सोनाक्षी, रौनक, अभिजीत, शगुन ने विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत कर सभी का मन मोह लिया।उत्कृष्ट कार्यक्रम करने वाले बच्चों पुरस्कृत किया गया।कार्यक्रम में एआरपी डॉश देवेंद्र गंगवार,गीता देवी,कुशलेश,सुरेश पाल,शान्ति देवी,एवं तमाम अभिभावकगण मौजूद रहे ।

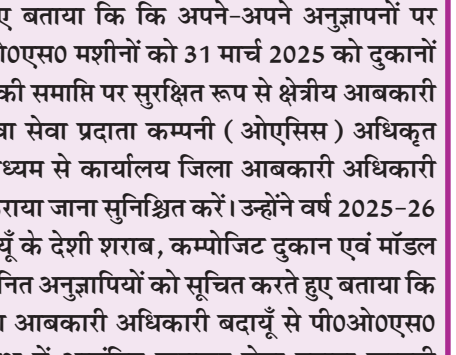

31 मार्च तक जमा करें पीओएस मशीन

क्यूँ न लिखूँ सच

आज आबकारी अधिकारी संजीव कुमार सिंह ने आबकारी आयुक्त, उत्तर प्रदेश प्रयागराज के पत्र के क्रम में जनपद बदायूँ के वर्ष 2024-25 के देशी शराब, विदेश मदिरा एव बीयर की फुटकर बिक्री की दुकानों एवं मॉडल शॉप के अनुज्ञापियों को सूचित करते हुए बताया कि कि अपने-अपने अनुज्ञापनों पर आवंटित पी0ओ0एस0 मशीनों को 31 मार्च 2025 को दुकानों की समयावधि की समाप्ति पर सुरक्षित रूप से क्षेत्रीय आबकारी निरीक्षकों अथवा सेवा प्रदाता कम्पनी (ओएसिस) अधिकृत प्रतिनिधि के माध्यम से कार्यालय जिला आबकारी अधिकारी बदायूँ में प्राप्त कराया जाना सुनिश्चित करें। उन्होंने वर्ष 2025-26 हेतु जनपद बदायूँ के देशी शराब, कम्पोजिट दुकान एवं मॉडल शॉप के नवचयनित अनुज्ञापियों को सूचित करते हुए बताया कि कार्यालय जिला आबकारी अधिकारी बदायूँ से पी0ओ0एस0 मशीनें अपने पक्ष में आवंटित कराकर सेवा प्रदाता कम्पनी (ओएसिस) द्वारा अधिकृत किये गये प्रतिनिधि के सहयोग से इनका पोर्टल से इंटीग्रेशन कराते हुए 01 अप्रैल 2025 से मदिरा की प्राप्ति एवं बिक्री किया जाना सुनिश्चित करें।

झोलाछाप डॉक्टरों का तहसील अमरिया में बोल वाला

क्यूँ न लिखूँ सच -सुमित गुप्ता

तहसील अमरिया प्रसूता की मौत मामले मे सीज हुआ जीवनदीप अस्पताल फिर संचालित कस्बा अमरिया में प्राइवेट अस्पताल

जिम्मेदार अपनी मनमर्जी से बाज नहीं आ रहे। प्रसूता की मौत के मामले में सीज हुआ। एक प्राइवेट अस्पताल हफ्तेभर बाद फिर से संचालित होने लगा। ऐसा लगता है स्वास्थ्य विभाग सिर्फ कार्यवाही के नाम पर खानापूर्ति कर रहा है। मिली जानकारी के अनुसार 5 मार्च को प्रसूता के मौत के मामले में स्वास्थ्य विभाग में कार्यवाही करते हुए जीवनदीप अस्पताल को सीज किया था। परंतु एक हफ्ते बाद ही विभाग के जिम्मेदारों की मिलीभगत से संचालको ने अस्पताल फिर से संचालित करा लिया। जिसमे स्वास्थ्य विभाग की मिली भगत बिल्कुल स्पष्ट दिखाई दे रही है। स्वास्थ्य विभाग कार्यवाही के नाम पर लोगों के स्वास्थ्य के साथ ऐसे ही खिलवाड़ करता रहेगा।कब तक आरोपियों या अस्पताल संचालकों के विरुद्ध सख्त कार्यवाही नहीं होगी। ऐसे में देखना यह होगा कि स्वास्थ्य विभाग अब संचालको के विरुद्ध क्या कार्यवाही अमल में लाता है? सीएससी प्रभारी अमरिया अनिकेत गंगवार से जानकारी ली गई तो उन्होंने बताया कि मेरे संज्ञान में नहीं है अगर ऐसा है तो कार्रवाई की जाएगी

कलेक्टर ने प्रतापपुर के विभिन्न क्षेत्रों का किया दौरा

क्यूँ न लिखूँ सच

सूरजपुर- कलेक्टर श्री एस.जयवर्धन एवं डी. एफ. ओ. श्री पंकज कमल के द्वारा प्रतापपुर विकासखण्ड के विभिन्न क्षेत्रों का दौरा किया गया। अपने दौरे में कलेक्टर ने प्रतापपुर के स्वामी आत्मानंद स्कूल का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने विद्यालय में मिलने वाली सुविधाओं के बारे में जानकारी ली। उन्होंने इस दौरान रसायन, भौतिकी और जीव विज्ञान

प्रयोगशाला का भी निरीक्षण किया और प्रयोगशालाओं में सामग्री की उपलब्धता और सामग्री की आपूर्ति के संबंध में जानकारी ली। अपने दौरे में उन्होंने मा. शा. कन्या आश्रम शान्ति नगर और बालक आश्रम कोड़ाकूपारा का भी निरीक्षण किया । इस दौरान उन्होंने विद्यार्थियों से बातचीत कर आश्रम की सुविधाओं एवं समस्याओं को जाना। साथ ही उन्होंने आश्रम में सुविधाओं के उन्नयन और बच्चे के किसी भी की समस्या के निराकरण को लेकर संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया। अपने दौरे में कलेक्टर ने ग्राम रमगवा में सोलर संचालित नल जल कनेक्शन का भी निरीक्षण किया। इस दौरान ग्रामीणों से बातचीत कर जल आपूर्ति के बारे में जानकारी ली। इस संबंध में ग्रामीणों को समझाइश देते हुए कहा कि ग्राम सभा का आयोजन कर सभी जल आपूर्ति के लिए मोटर चालू करने का समय निर्धारित करें। किसी भी प्रकार से पेयजल को व्यर्थ बहाकर नष्ट न करें। इसके अलावा उन्होंने हाथी प्रभावित ग्राम गणेशपुर का दौरा करके वहां के लोगों से उनके समस्याओं को लेकर बातचीत की। इस दौरान प्रभावित लोगों को शासकीय मुआवजे के भुगतान की जानकारी ली। साथ ही उनके समस्याओं के निराकरण को लेकर कलेक्टर एवं डीएफओं ने संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए।

विधान परिषद सदस्य ने किया सडक का लोकार्पण

क्यूँ न लिखूँ सच -प्रेमचंद जायसवाल

श्रावस्ती - विधान परिषद सदस्य साकेत मिश्रा ने विकासखंड हरिहरपर रानी के ग्राम पंचायत पतिझिया में सड़क की लोकार्पण करते हुए कहा कि जनपद श्रावस्ती आकांक्षी जनपद होने के नाते मेरा उद्देश्य क्षेत्र के विकास के प्रति सदैव रहा है एवं निरंतर रहेगा सरकार द्वारा चलाए जा रहे विभिन्न योजनाओं का लाभ सीधे जनता तक पहुंचाने के लिए सरकार सदैव तत्पर है इसीलिए आज सभी योजनाओं का लाभ सीधे जनता तक पहुंच रही है भिनगा मुख्यालय से चौधरी चरण सिंह बैराज लक्ष्मनपुर जाने वाले मार्ग के सवाल पर साकेत मिश्रा ने कहा कि मेरे द्वारा पुनः प्रत्र लिखा गया है उपस्थिति जनसमूह से कहा कि आशा है कि बरसात के पहले मार्ग का कार्य हो जायेगा कार्यक्रम में सदन तिवारी, राधेश्याम ओझा, पी, के, पाठक क्षेत्रीय अध्यक्ष रालोद महेंद्र पाठक, विमल ओझा जिला मंत्री भाजयुमो, अमित शुक्ला, सोनू मिश्रा प्रधान राजेश वर्मा मण्डल अध्यक्ष रामभरोसे मिश्रा, हरिराम भार्गव जिला मंत्री रालोद बंटी शर्मा जिला महासचिव अपना दल, ईश्वर शुक्ला, गुदन तिवारी, सन्त राम वर्मा, सीता राम यादव सहित सैकड़ों लोग उपस्थित रहे।

1 परिवार में सुलह कराते हुए परिवार को टूटने से बचाया

क्यूँ न लिखूँ सच -भूपेंद्र तिवारी

पुलिस अधीक्षक बहराइच के निर्देशन में सामाजिक रिश्तों को बचाने हेतु किये जा रहे प्रयासों के क्रम में पुलिस कार्यालय स्थित 'परिवार परामर्श केन्द्र' द्वारा आपसी परिवारिक विवाद को समाप्त कराकर 01 परिवार में सुलह कराते हुए परिवार को टूटने से बचाया आवेदिका द्वारा आपसी पारिवारिक विवाद के सम्बन्ध में पुलिस अधीक्षक महोदय के समक्ष सुलह हेतु प्रार्थना पत्र दिया गया, जिसके निस्तारण हेतु पुलिस अधीक्षक महोदय द्वारा प्रभारी परिवार परामर्श केन्द्र को निर्देशित किया गया। परिवार परामर्श केन्द्र द्वारा शिकायतकर्ता की शिकायतों

को विस्तारपूर्वक सुनकर-समझकर द्वितीय पक्ष से सम्पर्क करके उन्हें पुलिस कार्यालय स्थित परिवार परामर्श केंद्र बुलाया गया तथा दोनों पक्षों को समझाया गया, जिसके परिणामस्वरूप दोनों पक्षों द्वारा भविष्य में आपस में लड़ाई-झगड़ा न करने तथा परिवारिक कर्तव्यों का पालन करते हुए खुशी-खुशी साथ रहने की बात कही गयी। आपसी सुलह होने पर दोनों पक्षों को एक दूसरे के साथ आपस में सामंजस्य स्थापित कर परिवारिक दायित्वों को सही प्रकार से निर्वहन करने हेतु सलाह दी गयी।

06 अप्रैल से श्रीनगर में लगने वाले लोकसंवर्धन पर्व में प्रतिभाग हेतु करें आवेदन

क्यूँ न लिखूँ सच

ज़िला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी मो0 ख़ालिद ने जानकारी देते हुए बताया कि अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय, (भारत सरकार) द्वारा 06 अप्रैल से 14 अप्रैल 2025 तक श्रीनगर(जम्मू एवं कश्मीर) में प्रदर्शनी में राष्ट्रीय अल्पसंख्यक विकास एवं वित्त निगम के माध्यम से तीसरे लोकसंवर्धन पर्व का आयोजन करने की योजना बनाई है, जिसमें सम्पूर्ण भारत से कारीगारों व शिल्पकारों और पाक विशेषज्ञों को अपने प्रदर्शन व व्यंजन के लिये आमंत्रित किया गया है। उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय अल्पसंख्यक विकास एवं वित्त निगम द्वारा आयोजित इस प्रदर्शनी में प्रतिभाग किये जाने हेतु कारीगारों व शिल्पकारों और पाक विशेषज्ञों के आवेदन पत्र ज़िला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी कार्यालय से निर्धारित प्रारूप प्राप्त कर 31 मार्च 2025 तक जमा करें। निर्धारित तिथि के उपरान्त कोई भी आवेदन-पत्र स्वीकार नहीं किया जायेगा।

विद्यार्थी, शिक्षक व आंगनबाड़ी प्रभारी सम्मानित

क्यूँ न लिखूँ सच -अरविन्द कुमार यादव

श्रावस्ती बेसिक शिक्षा विभाग और बाल विकास विभाग के संयुक्त तत्वावधान में चल रहा कार्यक्रम हमारा अगर हमारे बच्चे उत्सव का जिला स्तर पर आयोजित किया गया। इसी उद्देश्य से हमारा अगिन हमारे बच्चे कार्यक्रम कलेक्ट्रेट स्थित तथागत हाल में आयोजित किया गया है। जिसका शुभारम्भ जिलाधिकारी अजय कमार द्विवेदी, मख्य विकास अधिकारी अनुभव सिंह, अपर जिलाधिकारी अमरेन्द्र कुमार वर्मा एवं जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी अजय कमार ने द्वीप प्रज्वलित कर किया। इस दौरान उन्होंने जिले के प्री-प्राइमरी स्तर के विद्यार्थियों के साथ

शिक्षको और आंगनवाड़ी प्रभारियों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर जिलाधिकारी ने कहा कि प्री-प्राइमरी स्तर पर शिक्षा के प्रति जागरुकता पैदा करने के लिए हमारा आंगन-हमारे बच्चे कार्यक्रम की शुरुआत की गई थी। पहले चरण में ब्लॉक स्तर विद्यार्थियों, शिक्षकों और आंगनबाड़ी प्रभारियों के लिए कार्यक्रम आयोजित किए गये। निष्ण मिशन में उत्कृष्ट प्रदर्शन के आधार पर प्रत्येक ब्लॉक से दो बालकों, एक शिक्षक का चयन किया गया है। इसके साथ ही प्रत्येक ब्लॉक से एक आंगनबाड़ी प्रभारी का चयन किया गया। जिले के प्रत्येक ब्लॉक से चयनित हुए विद्यार्थियों और शिक्षकों को जिला स्तर पर सम्मानित किया क्या। मुख्य विकास अधिकारी ने कहा कि भारत सरकार एवं प्रदेश सरकार का लक्ष्य है कि एक भी बच्चा पढ़ाई से वंचित न रह जाए। इसी तर्ज पर प्री-प्राइमरी पर समद्राय जागरुकता के लिए हमारा आंगन-हमारे बच्चे कार्यक्रम की शुरुआत की है। तीन शिक्षा के प्रति जागरूक हमारे बच्चे करेगा %हमारा आंगन- समिति के जिम्मेदार इस दिल में सार्थक पहल करना होगा। सरकार का उद्देश्य आंगनबाड़ी के बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराना है। छोटे बच्ची को शिक्षित करने की जितनी जिम्मेदारी आंगनबाड़ी कार्यकत्री व शिक्षकों की है। उतनी ही नामांकन व नियमित उपस्थिति का ध्यान रखने को जिम्मेदारी अभिभावकों की भी है। हमारा यह दयित्व है। कि शिक्षा के प्रति उनका उत्साह बना रहे बच्चों को इस प्रकार शिक्षा दी जाए जिससे कि उनके सनसिक क्षमता का विकास हो तथा शिक्षा के प्रति उनका उत्साह बना रहें। आंगनबाड़ी केंद्रों व प्राथमिक विद्यालयों में बनियादी साक्षरता के अर्तगत कई प्रकार की सुविधाएं दी जा रही है। इसके साथ ही सभी को पूर्व प्राथमिक एवं बनियादी शिक्षा के बारे में अभिभावक की भूमिका से जागरुक करना होगा। इस अवसर पर समस्त खण्ड शिक्षा अधिकारीगण, जिला समन्वयक अजीत उपाध्याय, जिला समन्वयक हितेश सिंह सहित विभित्र विद्यालयों के अध्यापक अध्यापिकाएं उपस्थित रहे। से छह वर्ष के अधिक से अधिक विद्यार्थियों को पूर्व प्राथमिक शिक्षा से जोड़ना है। इसके लिए सभी जिम्मेदारी को अपनी सक्रिय भूमिका निभानी होगी।

पीएम श्री प्राथमिक विद्यालय एट में स्मार्ट क्लास और लर्निंग टेबल का लोकार्पण

क्यूँ न लिखूँ सच -नीरज कुमार

जनपद के पीएम श्री प्राथमिक विद्यालय, एट में आधुनिक शिक्षा को बढ़ावा देने के उद्देश्य से स्मार्ट क्लास और लर्निंग टेबल का लोकार्पण किया गया। इस कार्यक्रम में मंडलायुक्त विमल कुमार दुबे, डीआईजी केशव चौधरी और जिलाधिकारी की गरिमामयी उपस्थिति रही। मंडलायुक्त विमल कुमार दुबे ने विद्यालय के छात्रों को आशीर्वचन देते हुए कहा कि पीएम श्री विद्यालय के बच्चे विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य कर एक मिसाल पेश करें। उन्होंने कक्षा 5 के छात्र अंश बाबू को यूपी सैनिक स्कूल में चयनित होने पर शुभकामनाएं दीं और

उसका उत्साहवर्धन किया। कार्यक्रम के दौरान, बच्चों द्वारा गौरैया दिवस के अवसर पर गौरैया संरक्षण के लिए बनाए गए गौरैया हाउस की सराहना की गई। यह पहल ईको क्लब के अंतर्गत की गई, जिससे पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ेगी। स्मार्ट क्लास और लर्निंग टेबल के लोकार्पण से विद्यालय के छात्रों को तकनीकी रूप से उन्नत और आधुनिक शिक्षा प्रदान की जाएगी। इस पहल से बच्चों की सीखने की प्रक्रिया अधिक रोचक और प्रभावी होगी। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी राजेन्द्र कुमार श्रीवास, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी चन्द्रप्रकाश, खंड विकास अधिकारी, खंड शिक्षा अधिकारी डकोर व नदीगांव, डीसी प्रशिक्षण बेसिक शिक्षा, एआरपी डकोर सहित विद्यालय के समस्त स्टाफ, आंगनबाड़ी कार्यकत्रियां, अभिभावक, क्षेत्रीय अधिकारी और जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

विधायक की पहल से कालपी नगर को जल्द मिल सकती है रोडवेज बस स्टॉप की सौगात

रानी लक्ष्मी बाई पार्क के समीप बनेगा बस स्टैंड

क्यूँ न लिखूँ सच
नीरज कुमार

कालपी(जालौन)। लंबे अरसे से उठ रही रोडवेज बस स्टैंड कालपी में बनने की मंशा जल्द पूरी होने वाली है। यमुना नदी के पुल के नजदीक महारानी लक्ष्मीबाई पार्क के निकट खाली पड़ी जमीन को चयनित करने की कार्रवाई पूरी हो गई है। क्षेत्रीय विधायक विनोद चतुर्वेदी ने बताया कि परिवहन निगम का सन 60 में स्थापित हुआ था।

झांसी कानपुर हाईवे में स्थापित ऐतिहासिक नगरीक कालपी में रोडवेज बस स्टाप के निर्माण की मांग लंबे अरसे से चल रही थी। बस स्टॉप न होने से यात्रियों को भारी दिक्कतें होती थी, क्योंकि उचित स्थान पर जमीन न होने से समस्या आड़े आ रही थी। पिछले महीने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ तथा उत्तर प्रदेश परिवहन विभाग के प्रमुख सचिव एस वेंकटेश्वर से मुलाकात में कालपी में रोडवेज बस स्टाफ के निर्माण कराने की मांग की गई थी। बस स्टैंड के निर्माण के लिए राजस्व विभाग तथा नगर पालिका द्वारा हाईवे के बीचो-बीच महारानी लक्ष्मीबाई पार्क के निकट बस स्टैंड के निर्माण के लिए जमीन को सहमति दी गई है। विधायक ने बताया कि शासन से मंजूरी मिलते ही बस स्टैंड के निर्माण का कार्य शुरू हो जाएगा। यह कालपी के लिए बड़ी सौगात होगी।

संक्षिप्त समाचार

पॉलीटेक्निक संस्थाओं में प्रवेश हेतु आवेदन प्रारंभ

क्यूँ न लिखूँ सच

सूरजपुर-जिले में पॉलीटेक्निक संस्थाओं में प्रवेश हेतु प्री पॉलिटेक्निक टेस्ट (पीपीटी-2025) हेतु छ.ग. व्यावसायिक परीक्षा मंडल में आवेदन प्रारंभ हो चुका है। शासकीय पॉलीटेक्निक सूरजपुर में माइनिंग इंजीनियरिंग, सिविल इंजीनियरिंग एंव इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग में डिप्लोमा पाठ्यक्रम वर्तमान में संचालित है। पीपीटी 2025 परीक्षा के लिए आवेदन करने की अंतिम तिथि 11 अप्रैल 2025 सायं 05:00 बजे तक है। परीक्षा की संभावित तिथि 01 मई दिन गुरुवार है। यह परीक्षा राज्य के 33 जिलों के जिला मुख्यालयों में आयोजित की जायेगी। परीक्षा से संबंधित विस्तृत जानकारी छ.ग. व्यावसायिक परीक्षा मंडल की अधिकारिक वेबसाइट vyapamcg.cgstate.gov.in Âर उपलब्ध है। परीक्षा फार्म भरने में सहायता करने के लिए शासकीय पॉलीटेक्निक सूरजपुर, वेटनरी पॉलिटेक्निक, प्रथम तल, सरनापारा पर्री में सहायता केन्द्र बनाया गया, जिसमें आवेदक छात्र-छात्राएं कार्यालयीन समय में पहुंचकर निशुल्क सहायता प्राप्त कर सकते है।

पंजीकृत ई-श्रमिकों का नवीन राशनकार्ड जारी करने एवं सदस्यों का नाम जोड़ने हेतु अंतिम समय सीमा 05 अप्रैल तक

क्यूँ न लिखूँ सच

सूरजपुर- ई-श्रम पोर्टल में पंजीकृत 8873 असंगठित श्रमिकों का राशन कार्ड बनाए जाने हेतु शासन स्तर से सूची जिले को उपलब्ध कराया गया है। उक्त पंजीकृत श्रमिकों में से 5992 श्रमिकों का नवीन राशन कार्ड बनाया जा चुका तथा 2756 श्रमिकों का अन्यत्र निवास या पलायन रहने तथा सूची में दर्ज मोबाइल नंबर बंद होने या संपर्क नहीं होने के कारण पात्रता अनुसार राशन कार्ड बनाने एवं नाम दर्ज करने हेतु अग्रिम कार्यवाही पूर्ण हो पाई नहीं है। ऐसे सभी पंजीकृत श्रमिकों को सूचित किया जाता है कि स्वयं अपना दस्तावेज नगरीय निकाय/जनपद पंचायत तथा जिला स्तर पर श्रम विभाग एवं जिला खाद्य कार्यालय में 15 दिवस के भीतर जमा कर सकते है। उक्त समय अवधि में आवेदन प्रस्तुत नहीं करने पर ऐसे पंजीकृत श्रमिक नवीन राशन कार्ड बनाने एवं राशन कार्ड में सदस्यों का नाम दर्ज कराने से वंचित हो सकते है।

एस. एस. बी एवं स्थानीय प्रशासन के द्वारा सीमा सड़क संरेखण हेतु संयुक्त सर्वेक्षण संपन्न

क्यूँ न लिखूँ सच -प्रेमचंद जायसवाल

श्रावस्ती अमरेन्द्र कुमार वरुण, कमांडेंट 62वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल, भिनगा की अगुवाई में उप जिलाधिकारी भिनगा, लोक निर्माण विभाग (PWD) एवं वन विभाग के अधिकारियों के

साथ सीमा सड़क संरेखण को ह्श रूडुट्ठ'ह्य रूडुट्ठस्र के समीप निर्धारित किए जाने हेतु एक महत्वपूर्ण संयुक्त सर्वेक्षण सफलतापूर्वक संपन्न हुआ । इस सर्वेक्षण के दौरान कमांडेंट 62वीं वाहिनी के साथ उप जिलाधिकारी भिनगा आशीष भारद्वाज, लोक निर्माण विभाग (PWD) के मनीष कुमार यादव अधिशासी अभियंता, शौर्य सिंह सहायक अभियंता, रामसागर कुशवाहा कनिष्ठ अभियंता, प्रभागीय वनाधिकारी श्रावस्ती धनराज मीना, वन रेंज अधिकारी पंकज चौधरी एवं निरीक्षक अनिल थपलियाल मौजूद थे ।इस सर्वेक्षण का उद्देश्य सीमा सुरक्षा को और अधिक सुदृढ़ बनाना, यातायात की सुगमता सुनिश्चित करना, एवं निर्माण कार्यों की व्यवहार्यता का मूल्यांकन करना था । अधिकारियों की इस संयुक्त टीम ने स्थल पर जाकर भौगोलिक परिस्थितियों, सुरक्षा आवश्यकताओं एवं पर्यावरणीय पहलुओं का गहन अध्ययन किया, जिससे प्रस्तावित सड़क संरेखण को प्रभावी और टिकाऊ बनाया जा सके । कमांडेंट अमरेन्द्र कुमार वरुण ने इस सर्वेक्षण को सीमावर्ती क्षेत्र के समग्र विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताते हुए कहा कि सड़क संरेखण का यह कार्य सुरक्षा और बुनियादी ढांचे को मजबूत करने में सहायक होगा । इसके साथ ही, विभिन्न विभागों के आपसी समन्वय से इस परियोजना को सुचारू रूप से क्रियान्वित किया जाएगा और आगे की प्रक्रिया भी शीघ्र प्रारंभ करने हेतु आवश्यक कार्यवाही की जाएगी ।

चोरी के सामान के साथ दो गिरफ्तार

क्यूँ न लिखूँ सच -वीरेंद्र कुमार वर्मा

श्रावस्ती। थाना मल्हीपुर पुलिस द्वारा दो चोर को चोरी के सामान कै साथ गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने थाना मल्हीपुर पर पंजीकृत मुकदमा में चोरी गई
संपत्ति के साथ प्रमोद यादव उर्फ विषराम यादव पुत्र कृपाराम निवासी भगगड़वा नदईडीह, थाना मल्हीपुर जनपद श्रावस्ती करिया उर्फ अनिल कुमार यादव पुत्र अज्ञाराम निवासी सनमन गांव थाना नवाबगंज जनपद बहराइच को ग्राम शिकारी चौड़ा से गिरफ्तार किया गया।

गुनौर विधायक राजेश वर्मा ने देवेंद्रनगर को दी स्टेडियम तथा अन्य कार्यों की बौछार

क्यूँ न लिखूँ सच
घनश्याम प्रसाद शर्मा

- स्टेडियम की सीढ़ी निर्माण कार्य का भूमिपूजन
- एक करोड़ 43 लाख रुपए से बनेगा स्टेडियम,
- बरगी बांध से सिंचित होगी गुनौर विधानसभा, कांग्रेस पर हमला

देवेंद्रनगर-मुख्यमंत्री शहरी अधोसंरचना विकास योजना के चतुर्थ चरण के तहत गुनौर विधायक डॉ. राजेश वर्मा और नगर परिषद अध्यक्ष शिवांगी ललित गुप्ता की अध्यक्षता में देवेंद्रनगर में स्टेडियम सीढ़ी निर्माण कार्य का भूमिपूजन किया गया। इस स्टेडियम का निर्माण 1 करोड़ 43 लाख रुपए की लागत से होगा, जिसमें लगभग 5000 दर्शकों के बैठने की क्षमता होगी। डॉ. राजेश वर्मा ने गुनौर विधानसभा को कई महत्वपूर्ण सौगातें दीं, जिसमें बरगी बांध का पानी, संस्कृत महाविद्यालय, सी एम राइज स्कूल, औद्योगिक क्षेत्र निर्माण, और ग्रामीण सड़कों का निर्माण शामिल है। उन्होंने कांग्रेस पर हमला बोलते हुए कहा, 卐कांग्रेस अब एक बट वृक्ष से सिमटकर गमले में रह गई है। कार्यक्रम की शुरुआत वैदिक मंत्रों से भूमि पूजन के साथ हुई। विधायक डॉ. राजेश वर्मा ने कुदाली चलाकर इस परियोजना का शुभारंभ किया।

उन्होंने कहा, यह स्टेडियम क्षेत्र के खेल प्रेमियों और युवाओं के लिए बड़ी उपलब्धि है।卐 डॉ. वर्मा ने पन्ना जिले की 940सड़कों के सुधार की जानकारी भी दी। विधायक डॉ. राजेश वर्मा ने गुनौर विधानसभा में बरगी बांध का पानी उपलब्ध कराने, सी एम राइज स्कूल की भूमि आवंटन, संस्कृत महाविद्यालय भवन निर्माण के लिए भूमि पूजन शीघ्र कराने, और औद्योगिक क्षेत्र के लिए भूमि आवंटन की भी घोषणा की। कार्यक्रम में भाजपा नेता पंडित उमेश शर्मा, अनिल सिंह बुंदेला,राम लखन शुक्ला,जय कुमार कुशवाहा ने विधायक के कार्यों की सराहना की। राम लखन शुक्ला ने देवेंद्रनगर के स्कूलों और बाईपास की आवश्यकता पर जोर दिया। कार्यक्रम में करीब 400-500 लोग उपस्थित थे। डॉ. राजेश वर्मा ने कहा, 卐मोहन सरकार के तहत सभी योजनाओं के लिए धन की कोई कमी नहीं होगी और देवेंद्रनगर के विकास को नई दिशा दी जाएगी। कार्यक्रम का संचालन रमेश अग्रवाल व आभार व्यक्त ललित गुप्ता पूर्व भाजपा मंडल अध्यक्ष ने किया।

विश्व गौरैया दिवस पर, मेरे घर की मेरी चिड़िया-डॉक्टर चंचल श्रीवास्तव

क्यूँ न लिखूँ सच

रिठौरा । मेरे घर की मेरी चिड़िया विश्व गौरैया दिवस के रूप में मनाया जाता है। बसंत ऋतु प्रारंभ होने पर विभिन्न प्रकार की पक्षी वर्ग में गौरैया मैंना, कौवा, कोयल, कबूतर और इस समूह की सभी पक्षी वर्ग नेस्टिंग अर्थात अंडे देने जनन की प्रक्रिया पूर्ण करके अपने आसपास तिनके घास -फूस से घोंसले बनाती हैं। मॉडर्न तकनीकी क्षेत्र में दिन प्रतिदिन देश और विदेश में अनेक कीर्तिमान स्थापित किया जा रहे हैं जिसके अंतर्गत हमारी जैव विविधता एवं जैविक चक्र प्रभावित होने से जीव संकट के कई उदाहरण देखे जाते हैं। पक्षी वर्ग को संरक्षण और उनकी देखरेख करने का दायित्व हम मानव जाति पर है ।जो एक जैविक चक्र के साथ-साथ इंसेक्टिसाइड शब्द पॉलिनेशन एवं जैव विविधता के ऊर्जा संरक्षण को जोड़कर देखा जाता है । खण्डेलवाल महाविद्यालय की विभिन्न छात्र-छात्राओं सलोनी यादव, खुशी पटेल, कसक, रिमझिम,अर्शी और अभिषेक द्वारा बर्ड हाउस का निर्माण किया गया जिसमें उनके टेंपरेट के अनुसार घरों को बनाना और उन्हें विशेष स्थान पर लगाना जैसे कार्यक्रम का आयोजन किया गया 卐मेरे घर की मेरी चिड़िया ची ची करती मेरी चिड़िया घर बनाती टिका लाती तिनके तिनके से घोंसला बनाती घर में की की रौनक लाती घर में मधुर मधुर गीत सुनाती मेरे घर की मेरी चिड़िया卐 डॉ.चंचल श्रीवास्तव, जंतु विज्ञान जीव संरक्षण के तहत इन्होंने के द्वारा कई शोध पत्रों में के माध्यम से यह पाया गया है कि शहरी क्षेत्र से दिन प्रतिदिन पक्षियों की आबादी कम होती जा रही है। इसका विशेष कारण है कि पेड़ों का काम होना टेंपरेट जोन में बढ़ोत्तरी के कारण पक्षी अपने घोंसलों और एग लाइनिंग अंडे में निषेचन की प्रक्रिया न कारण पक्षियों की जनसंख्या कम होती जा रही है ।गौरैया व अन्य पक्षी शहरी क्षेत्र से ग्रामीण, वन्य क्षेत्रीय क्षेत्र की तरफ अपने प्रवास में परिवर्तन परिवर्तित हो रहे हैं जो कहीं ना कहीं मानव या जैविक चक्र के लिए हानिकारक सिद्ध होगा और जलवायु परिवर्तन के कारण इन पक्षियों को रहन-सहन, भोजन, जैविक क्रियाओं में विशेष रूप से उत्पत्ति और जातियां की वृद्धि रुक जाती जाने के कारण दिन प्रतिदिन यह समस्याएं खड़ी हो रहीं हैं । हम बर्ड हॉउस, गाते बॉक्स लगाने से शहरी वातावरण को बनाए रखने में इनकी जनसंख्या स्थिर रखने में अहम भूमिका निभा सकते हैं। आज गौरैया दिवस के रूप में हम सबको जान जागरूक और छोटे बड़े आयोजन के रूप में इसे संरक्षण का मुद्दा मानते हुए मनाना चाहिए ।सोशल मीडिया के द्वारा हम लोगों को जागरूक कर सकते हैं ।

संक्षिप्त समाचार

राज्य महिला आयोग की सदस्य सुनीता सैनी के सामने फरियाद सुनाते हुए एक महिला बेहोश

क्यूँ न लिखूँ सच -श्याम जी कश्यप

फर्रुखाबाद में राज्य महिला आयोग की सदस्य सुनीता सैनी के सामने फरियाद सुनाते हुए एक महिला बेहोश हो गई। जिसके बाद उन्हें अस्पताल ले जाया गया। विकास भवन में आयोजित जन सुनवाई के दौरान जहानगंज के गांव कोठी की रहने वाली विधवा रीमा देवी अपनी व्यथा सुनाने पहुंची। रीमा ने बताया कि उनके पति की मृत्यु के बाद देवर से जमीन का विवाद चल रहा है। उन्होंने पुलिस और अन्य अधिकारियों से कई बार गुहार लगाई। लेकिन कहीं से भी न्याय नहीं मिला। जन सुनवाई के दौरान अपनी पीड़ा बताते हुए वह इतनी भावुक हो गईं कि रोते-रोते बेहोश हो गईं। तुरंत एम्बुलेंस को बुलाकर रीमा को लोहिया अस्पताल ले जाया गया। अस्पताल में उपचार के बाद उन्होंने बताया कि वह बहुत परेशान हैं और उन्हें न्याय की दरकार है। डॉक्टरों ने भर्ती होने की सलाह दी, लेकिन वह अपने भाई के साथ घर चली गईं। महिला आयोग की सदस्य सुनीता सैनी ने विकास भवन में अन्य पीड़ित महिलाओं की भी समस्याएं सुनीं और अधिकारियों के साथ उनके समाधान पर चर्चा की।

नागपुर की घटना पर फर्रुखाबाद में आक्रोश

क्यूँ न लिखूँ सच -श्याम जी कश्यप

अंतरराष्ट्रीय हिंदू परिषद ने मुगल शासक औरंगजेब का फूंका पुतला नागपुर में हुई घटना के बाद फर्रुखाबाद में हिंदूवादी संगठनों में आक्रोश त्रिपोलिया चौक पर बड़ी संख्या में एकत्रित हुए हिंदूवादी नेताओं ने औरंगजेब के पुतले पर जमकर बरसाई चप्पलें, फिर लगाई आग 11सूत्रीय मांगो को लेकर एक ज्ञापन भी लेकर आए अंतर्राष्ट्रीय हिंदू परिषद के पदाधिकार अंतराष्ट्रीय हिंदू परिषद के पदाधिकारियों ने कहा कि मुगलों के सभी निशानियों को देश से मिटा देना चाहिए, इनकी कोई जरूरत नहीं है कोतवाली फर्रुखाबाद क्षेत्र में त्रिपोलिया चौक का मामला

कार्य में लापरवाही व अनुशासनहीनता बरतने पर नरेशपुर पंचायत सचिव निलंबित

क्यूँ न लिखूँ सच

सूरजपुर- जनपद पंचायत सूरजपुर अंतर्गत ग्राम पंचायत नरेशपुर में 11 मार्च को प्रधामनमंत्री आवास योजना ग्रामीण योजनांतर्गत स्वीकृत आवासों का निरीक्षण मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जिला पंचायत सूरजपुर द्वारा किया गया, किन्तु ग्राम पंचायत नरेशपुर में पदस्थ ग्राम पंचायत सचिव श्री सुरेन्द्र विश्वकर्मा द्वारा सूचना प्राप्त होने के बावजूद ग्राम पंचायत में अनुपस्थित पाये गये। ग्राम पंचायत में स्वीकृत आवासों की प्रगति भी संतोषजनक नहीं इस प्रकार ग्राम पंचायत के कार्यों में लापरवाही एवं अनुशासनहीनता बरतने के फलस्वरूप श्री सुरेन्द्र विश्वकर्मा, पंचायत सचिव, ग्राम पंचायत नरेशपुर, जनपद पंचायत सूरजपुर को उपरोक्त कृत्य के लिए, छत्तीसगढ़ पंचायत सेवा (अनुशासन तथा अपील) नियम के तहत् तत्काल प्रभाव से निलंबित किया गया है।

नवनिर्वाचित सरपंचों को भारत को 2025 तक टी.बी मुक्त बनाने के उद्देश्य से कराया गया शपथ ग्रहण

क्यूँ न लिखूँ सच

सूरजपुर- मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत सूरजपुर श्रीमती कमलेश नन्दनी साहू के निर्देशन एवं मार्गदर्शन में जिला पंचायत संसाधन केन्द्र सूरजपुर में नवनिर्वाचित सरपंचों का उन्मुखीकरण परिचयात्मक प्रशिक्षण आयोजित किया जा रहा है, प्रशिक्षण के दौरान नवनिर्वाचित सरपंचों का भारत को 2025 तक टी.बी मुक्त बनाने के उद्देश्य से संकाय सदस्य निरोज सिंह के द्वारा सभी सरपंचों का शपथ ग्रहण कराया गया। शपथ ग्रहण के दौरान राधेलाल पैकरा एवं जिला के अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहें।

DGP holds public grievance redressal programme at PCR

Kashmir““Srinagar, Mar 19 : In a significant initiative to strengthen

public-police relations and promote transparency, the DGP Jammu and Kashmir, Shri Nalin Prabhat-IPS, conducted a Public Grievance

Redressal programme at the Police Control Room (PCR) Kashmir today. ““The event offered citizens a unique opportunity to engage directly with the top police leadership, voice their concerns, and seek resolutions for their grievances.““The programme was attended by senior police officers, including IGP Kashmir Shri V K Birdi, DIG Central Kashmir Range, SSP Srinagar, and SSP Security & SSP PCR Kashmir.““Around 200 public delegations, representing individuals and groups from diverse backgrounds, actively participated in the programme. All the grievances were taken note of for appropriate action.““The DGP gave a patient hearing to the concerns of the citizens, assuring them that their grievances would be addressed promptly and fairly. ““He directed the concerned

सफलता की कहानी

कुड़े से मिला स्वयं सहायता समूहों को रोजगार

क्यूँ न लिखूँ सच

सूरजपुर- स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) के अभिसरण से बने सेग्रीगेशन शेड ने सूरजपुर जिले के जनपद पंचायत भैयाथान के ग्राम तेलगांव जहां पहले कचरे का ढेर हुआ करता था। जिसे वहा के स्वच्छता दीदियों के द्वारा कचरे का निस्तारण कर गांव की सड़कों एवं गलियों और चौंक-चौराहों को स्वच्छ रखने में महत्वपूर्ण योगदान दे रही हैं। खुले में शौचमुक्त गांव बनने के वाद अब तेलगांव प्लास्टिक एवं कूड़ा-करकट मुक्त ग्राम पंचायत भी बन गया है। सड़कों एवं गलियों और चौक-चौराहों पर फेंके जाने वाले कचरे को वहां की स्वं सहायता समूह की महिलाओं ने अतिरिक्त कमाई का जरिया बनाया है। पिछले एक साल समूह के द्वारा कचरे के निस्तारण किया जा रहा है।कचरा संग्रहण तथा उसे अलग-अलग कर निस्तारित करने का काम इन महिलाओं के लिए सहज-सरल नहीं था। शुरुआत में जब वे रिक्शा लेकर कचरा संकलन के लिए घर-घर जाती थीं तो लोग उन्हें ऐसे देखते थे जैसे वह कोई खराब काम कर रही हो कचरा देने से ग्रामीण मना किया करते थे। धीरे-धीरे समूह की महिलाओं का मनोबल स्वच्छ भारत मिशन की टीम द्वारा स्वच्छता दीदी को स्वच्छता के क्षेत्र में कार्य हेतु प्रोत्साहित किया गया उनके मनोबल को कमजोर होने नहीं दिया। लोगों की हिकारत भरी नजरों के बावजूद उन्होंने हार नहीं मानी और ग्राम पंचायत के सहयोग से इस काम को जारी रखा। इनके काम से गांव लगातार साफ-सुथरा होते गये, तब लोगों का नजरिया भी बदलने लगा। अब गांव वाले इन्हें सम्मान के साथ स्वच्छता दीदी कहकर पुकारते हैं।तेलगांव के कुबेर महिला स्वयं सहायता समूह की महिलाएं सफाई मित्र के रूप में घर-घर जाकर कचरा संकलित करती हैं। सेग्रीगेशन शेड यानी ठोस एवं तरल अपशिष्ट प्रबंधन केन्द्र में वे संकलित कचरा में से उनकी प्रकृति के हिसाब से उन्हें अलग-अलग करती हैं। और कचरे को बेचकर आय का साधन बना रही है। कुबेर महिला स्वयं सहायता समूह- जयकुमारी, प्रियंका, चांदनी, बाबी है।

If you are troubled by overthinking, then include these 7 food items in your diet, they will get rid of stress

Nowadays everyone is under stress. Some are worried about studies, some are worried about their job. At the same time, some people have become a victim of stress due to family ties. In such a situation, no one can escape stress. If you also want to get rid of stress, then you can include the food items (Stress Relieving Foods) mentioned by us in your diet. Stress is not only dangerous, it is also the cause of many diseases. People are becoming victims of stress in a busy life. Stress can be managed with some food items. In today's busy life, our lifestyle has completely changed. The increasing pressure of work and wrong eating habits are not only affecting our health, but are also making us mentally ill. These days people are constantly falling prey to stress, depression and anxiety, the negative effects of which are seen in many ways. If these problems related to mental health are not treated in time, then it can take a serious form. Let us tell you that our eating habits have a direct effect not only on our physical health but also on mental health. In such a situation, to get relief from the problem of stress, you can include some stress relieving foods in your diet. Today in this article, we are going to tell you about the foods that relieve stress. If you include them in your diet, then you can get rid of stress to some extent. Let us know in detail- Dark Chocolate- Dark chocolate works as a mood booster. The antioxidants and magnesium present in it work to increase the level of 'feel good' hormones serotonin and endorphins in the body, which helps in reducing stress. The mood is also good. EggsYou must have often heard that experts also advise children and adults to eat eggs. It also benefits our health in many ways. Apart from improving health, it also improves the mood. This makes you feel happy from within. Magnesium and amino acids are found in eggs, which work to increase happy hormones. Yogurt- The key to happiness is hidden in yogurt. The probiotics present in it keep the liver healthy. This also has a positive effect on our mental health. It also helps in reducing depression and anxiety. Nuts and seedsYou can also include nuts and seeds in your diet to reduce stress. Nuts and seeds like sunflower seeds, pumpkin seeds, almonds and walnuts are full of zinc, magnesium and omega-3 fatty acids, which relieve stress. Turmeric- Curcumin present in turmeric works to increase neurotransmitters like serotonin and dopamine in the brain. This keeps the mood good. It also helps in reducing depression. Coffee- An easy way to reduce stress is to drink hard coffee. It contains caffeine, which activates the brain and improves the mood immediately. Apart from this, it also helps in concentrating and makes you feel happy by increasing the dopamine hormone. Berries- Berries like raspberries, strawberries and blueberries also help in reducing stress. They are full of antioxidants, which protect the body from oxidative stress caused by anxiety.

Obesity increases in children not only due to fast food but also due to these 4 reasons, get rid of the habit quickly

Increasing obesity in children has become a matter of concern. Children of young age are now falling prey to obesity. Bad lifestyle and unhealthy food are considered to be the main reason for obesity. But apart from this, many such things are seen in the entire daily routine of children which increases obesity. It is also the responsibility of parents to motivate children to live a healthy life to avoid obesity. If the right steps are not taken in time, then this obesity often brings serious consequences for children. Today we are going to tell you some important reasons for increasing obesity among children. 1- Eating time is not fixed The biggest reason for increasing obesity in children which is seen is that the eating time of children nowadays is not fixed. This has become a very extraordinary thing for children in the present time. Many children wake up late in the morning. Whereas doctors say that breakfast should be taken before 9 am. When children wake up late, they have breakfast at 12 or 1 pm. After this, they eat lunch by 4 pm. After this, they directly eat dinner at 10 or 11 pm. Actually, not having a fixed time for eating is a big reason for obesity. 2- Distance from physical activity Children are now completely trapped in the digital net. Whether it is about going to the playground in the evening and playing games or going for a walk after dinner, children are now completely away from physical activity. When sweat does not come out of the body, diseases make their home. At the same time, now serious diseases like obesity, diabetes are catching up with young children. 3- No right time to sleep The biggest reason for increasing obesity in children is that their right time to sleep is not fixed. Sleeping at any time and staying awake till late night and then eating fast food is spoiling the health of children. One of the biggest reasons for the poor health of children is also not fixing the time to sleep. Therefore, diseases like obesity are increasing in children. Sleeping at any time and staying awake till late night and then eating fast food is spoiling the health of children. One of the biggest reasons for children's ill health is not fixing their sleeping time. That is why diseases like obesity are increasing among children. Therefore, it is very important to set a time table for children.

If you also do these 5 things as soon as your husband returns home, then change the habit immediately; otherwise there will be conflict every day

As soon as the husband comes home, every wife wants that the atmosphere of the house remains pleasant, but sometimes unknowingly we adopt such habits which can increase tension in the relationship. If you are also doing these 5 mistakes (Common Mistakes in Marriage) as soon as your husband returns home, then be alert from now onwards, otherwise there will be quarrels every day. In the relationship of husband and wife, along with love, understanding is also needed.If there is romance between husband and wife, then the atmosphere of the house also remains good. Some habits of the wife often spoil her relationship with the husband. Maintaining love and harmony in married life is very important for any couple, but many times small mistakes done knowingly or unknowingly can become the reason for tension and conflict in the relationship. Especially when the husband returns home after a tired day, the atmosphere at that time matters a lot. If you are also among those women who do the 5 things mentioned here as soon as the husband comes home, then it is possible that it is creating a rift in your relationship. Let us know those 5 habits (Common Mistakes in Marriage), which should be avoided as soon as the husband returns home, so that the relationship remains happy and strong. Complaining- The problems of the house throughout the day, the mischief of the children, the talks of the in-laws or the problems of the neighbors - If you start complaining as soon as the husband comes home, then it can spoil his mood. After working hard in the office all day, everyone wants peace at home. So try that when he comes home, first let him relax and then share your things after seeing the time. Being too busy with mobile or TV- If your husband returns home and you are so busy watching mobile or TV that you do not even ask about his well-being, then this is not right for the relationship. This can make him feel that his presence does not matter to you. It would be better if when he comes home, first of all take care of him, welcome him with a smile and ask him about his day. Starting household chores at the same time If your husband sees on his return home that you are only engaged in household chores and are not even taking out time to sit with him, then this can also become a reason for distance. Household chores will continue throughout the day, but taking out some time for the husband is very important to keep the relationship fresh. Starting complaining about the children immediately If you start complaining about the mischiefs of the children or their mistakes as soon as the husband returns home, then this can also become a reason for stress. After the fatigue of the whole day, any person wants peace in the house, not more worries or problems. Talk to the children at the right time and in the right manner, so that the atmosphere of the house remains pleasant. Ignoring their needs If you ignore the needs of your husband after he returns home, like giving him water, asking for tea or coffee, then this can make him feel lonely. Even though these are small things, they can make a big difference in the relationship. Mutual care and concern is very important in the relationship between husband and wife.

'Daughter was murdered,' Sushant Singh Rajput's manager Disha's father expressed doubt after 5 years

The mystery of the death of late actor Sushant Singh Rajput has not been solved yet. Apart from this, various types of news have also come out regarding the death of the actor's ex-manager

Disha Salian. Now after 5 years, Disha's father has made a shocking revelation about his daughter and expressed suspicion of fore, expressed suspicion of murder her murder. Disha Salian's father's reaction came to the Sushant Singh Rajput had an ex- regarding daughter's death after 5 years Late actor of actor Sushant Singh Rajput, manager March 19: Five days before the suspicious death manager Disha Salian also died which happened about five years ago, his former has now claimed that the deaths of under suspicious circumstances. Her father Satish Salian circumstances are connected to each his daughter and Sushant Singh under suspicious investigated in both these cases. other, and Shiv Sena leader Aditya Thackeray should be made this claim while talking to a Disha's father gave shocking reaction - Satish Salian has years, he has said that there were no news channel. Speaking openly on this issue after five such a height, there was no injury injury marks on my daughter's body. Despite falling from my daughter has been murdered. mark on her body, head or face. Therefore, it seems that ago he had believed that his daughter She cannot commit suicide. He also said that five years Let us tell you that after this new had committed suicide because he had faith in the police. (UBT) President Uddhav revelation by Satish Salian, now the troubles of Shiv Sena may increase. Disha was Sushant's Thackeray's son and former minister Aditya Thackeray multi-storey building in Malad area. ex-manager Let us tell you that Disha Salian lived in a o'clock in the night of 8-9 June, her Just five days before Sushant Singh Rajput's death, at 2 claimed that she committed suicide body was found fallen in the building premises. The police by jumping from her flat on the 14th floor. After the suspicious deaths of first Disha Salian and then Sushant Singh Rajput, Nitesh Rane, son of the then Union Minister Narayan Rane, held Aditya Thackeray responsible for Disha Salian's death. At that time, Aditya's father Uddhav Thackeray was the Chief Minister of the state. Therefore, this matter could not gain much importance. Disha's father Satish Salian also left Mumbai and went to his village Udupi after a few days to avoid the media. Now, after five years, while talking on a TV channel, he has expressed suspicion of his daughter's murder. This may further increase the problems of the Uddhav Thackeray family.

From TV to OTT ads, do you know the country's first advertisement? This thing was sold

Today we see many types of ads on TV. From food items to clothing. Every kind of thing is advertised on TV. But have you ever wondered which advertisement was the first to be shown

on TV. Also, what would be the thing that would have been broadcast What was the first advertisement of TV? This channel broadcasted the ad of this thing. TV has lost its identity somewhere in today's era. There was a time when the audience eagerly waited for the shows shown on TV. In this era of OTT, the importance of TV has ended. Today we are going to talk about that TV ad which was first released for the audience. This was the era of Doordarshan. It used to be very slow and calm. People used to live a settled life without any rush. At that time TV advertisements also used to be simple and fun. There was a different fun in watching Doordarshan serials, religious serials or children's serials. When the audience saw the first advertisement, the memories of that decade are still alive in the hearts of some people. India's first television advertisement was telecast on 1st January 1976. This advertisement is said to be of Gwalior Shootings. After this advertisement, the whole world of advertisements changed in India. Not only this, when TV became coloured in 1982, the first colour advertisement at that time was of Bombay Dyeing. Gradually the popularity of ads kept increasing. About Doordarshan... Talking about Doordarshan, it was established on 15 September 1959 by the Ministry of Information and Broadcasting. You will be surprised to know that Krishi Darshan is the longest show shown on Doordarshan. This program has helped many farmers. It started on 26 January, 1967. By 1982, Doordarshan became the national broadcaster of India. When colour television was introduced in India in 1982, everyone was filled with joy. Not only this, during the 1982 Asian Games held in Delhi, the broadcast was made colourful. In this way, Doordarshan kept on developing with time. When television became colourful, after the introduction of colour television in 1982, people's inclination towards it increased. The telecast of Asian Games on Doordarshan brought revolutionary changes in Indian television. In 1966, Krishi Darshan programme became the architect of the Green Revolution in the country. Krishi Darshan is the longest running Doordarshan programme. Programmes like Hum Log, Buniyaad, Nukkad, Ramayan, Mahabharat took the popularity of Doordarshan to great heights.

This actress became a star by giving a 1 minute nude scene, disappeared due to pregnancy at the age of 20

There have been many actresses in the cinema world who became famous for their simplicity. But there were some actresses who made their special identity in the film world on the basis

of boldness and on the basis of this they also got stardom. Today in this article, we are going to tell you about the actress who created a sensation with her hotness in the 80s. She added a tadka of hotness to Bollywood She gave kissing scenes with these actors This is why she left Bollywood The 80s brought many changes in the cinema world. New actors like Anil Kapoor and Jackie Shroff made their debut in Bollywood. While on the other hand, actresses like Sridevi, Madhuri Dixit and Juhi Chawla also entered the industry. But amidst all this, the standards started changing regarding the story of the film and hot scenes. Meanwhile, an actress entered Hindi cinema who did not shy away from wearing short clothes and giving kissing scenes on camera. Not only this, she became a star only after giving nude scenes. Let us know about that actress in this article. Hot beauty of the 80s By the end of the 80s, liplock scenes in films had become a common thing in Bollywood. In this matter, actress Sonam Bakhtawar Khan went two steps ahead. Yes, Sonam Khan was the same actress who created a stir in the film industry with her boldness in that era and was called a hot beauty. This is the same Sonam who is known for the song Oye Oye from Sunny Deol and Naseeruddin Shah's film Tridev. She entered the world of acting with the 1987 Telugu film Samrat. In the same year, she also made her Bollywood debut with the movie Vijay and after that she never looked back. Sonam (Sonam Khan Nude Scene) entered the cinema world as an actress at the age of just 16 and won everyone's heart with her bold beauty and acting. In her debut Hindi film Vijay, Sonam showed off her hotness and created a sensation with her bikini avatar. During this, she also gave a liplock scene with Rishi Kapoor. Then by giving a 1 minute nude scene in the film Mitti Aur Sona, Sonam Khan crossed all limits of boldness. She shared the screen with actors like Rishi Kapoor, Jackie Shroff, Sunny Deol, Govinda and Chunky Pandey. Why did Sonam leave Bollywood Sonam Khan got a lot of success as an actress. But due to getting pregnant at the age of 20, she left Bollywood after about 3 years and shifted abroad with her husband. Let us tell you that Sonam had an affair with Tridev director Rajiv Rai and later they got married. They both have a son, however after a few years of marriage, the couple got divorced. Let us tell you that now Sonam Khan has returned to Mumbai and she was seen in public during the Jio World Plaza event.